माघ शुक्ल - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 209 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 23-02-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सपा और कांग्रेस का गठबंधन परिवारवादी और स्वार्थी लोगों का गठजोड़ : भूपेंद्र चौधरी

6 उथल-पुथल में पाक, भारत रहे चौकस

7 विद्या बालन ने धोखाधड़ी करने की शिकायत दर्ज कराई

फर्स्ट टेक

22 मार्च से होगा आईपीएल का आगाज

नई दिल्ली/एजेन्सी। इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) 2024 की शुरुआत 22 मार्च को गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबले से होगी। यह मुकाबला चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेला जायेगा। टूर्नामेंट में चार प्लेऑफ मुकाबलों के साथ कुल 74 मैच खेले जाएंगे। 22 मार्च से 7 अप्रैल के बीच दिल्ली कैपिटल्स दिल्ली के फिरोज शाह कोटला में नहीं खेल पाएगी। इस दौरान उनके दोनों मैच विशाखापटनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। महिला प्रीमियर लीग के आखिरी दौर के मैच सहित फाइनल 17 मार्च को खेला जाएगा। इस वजह से यहां आईपीएल का कोई मैच नहीं रखा गया है।

पाकिस्तान में निमोनिया से मरने वालों बच्चों की संख्या 410 हुई

इस्लामाबाद/एजेन्सी। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में निमोनिया से पांच और बच्चों की मौत होने से इस बीमारी से मरने वाले बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 410 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को कहा कि प्रांतीय राजधानी लाहौर में मंगलवार और बुधवार को निमोनिया के 182 नए मामले सामने आए, जिससे दो दिनों के दौरान पूरे प्रांत में कुल 717 नए मामले हो गये हैं। इस साल निमोनिया संक्रमित कुल 6,620 मामले सामने आए हैं।

मंगोलिया में कड़ाके की ठंड से 15 लाख से ज्यादा मवेशी मारे गये

उलान बतोर/एजेन्सी। मंगोलिया में कड़ाके की ठंड की चपेट में आकर मरने वाले मवेशियों की संख्या 15 लाख से ज्यादा हो गई है। यह जानकारी देश के राज्य आपातकालीन आयोग (एसईसी) ने गुरुवार को दी। देश के उप प्रधानमंत्री और एसईसी के प्रमुख, अमरसैखान सैनबुयान ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वर्तमान आंकड़ों के अनुसार डज़ुड के कारण पूरे देश में कम से कम 1,527,695 पशुधन की मौत हो चुकी है।

राममंदिर निर्माण के बाद भी नकारात्मकता में जीने वाले लोग नफरत नहीं छोड़ रहे : मोदी

8,350 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेहसाणा (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे (उसके नेता) अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होने के बाद भी नकारात्मकता में जी रहे हैं और नफरत का रास्ता छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं।

प्रधानमंत्री गुजरात के मेहसाणा जिले में वालीनाथ महादेव मंदिर का उद्घाटन करने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 8,350 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और उनका शिलान्यास भी किया।

मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में लंबे वक्त तक कांग्रेस ने ''विकास और विरासत के बीच'' टकराव और शत्रुता पैदा की।

उन्होंने कहा, अगर किसी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाए तो वह कांग्रेस है जिसने दशकों तक देश पर राज किया। ये वही लोग हैं, जिन्होंने सोमनाथ (मंदिर) जैसे पावन स्थल को भी विवाद का कारण बनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गुजरात के पंचमहल जिले में पावागढ़ मंदिर में धर्मध्वजा फहराने की इच्छा तक नहीं दिखायी और दशकों तक मोढ़ेरा के सूर्य मंदिर को भी वोटबैंक की राजनीति से जोड़कर देखा।

मोदी ने कहा, ये वही लोग हैं, जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व पर भी सवाल उठाए और उनके मंदिर के निर्माण को लेकर रोड़े अटकाए। उन्होंने कहा, और आज जब (भगवान राम की) जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है, जब पूरा देश इससे खुश है तो भी नकारात्मकता में जीने वाले लोग नफरत का रास्ता छोड़ नहीं रहे हैं।

मोदी ने दीसा (गुजरात के बनासकांठा जिले) में वायु सेना स्टेशन के रनवे को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इसे भारत की सुरक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा, तत्कालीन मुख्यमंत्री (गुजरात का) होने के नाते, मैंने इसके लिए कई पत्र लिखे और काफी प्रयास किया लेकिन केंद्र में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने रोड़े अटकाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। बल्कि वायु सेना के लोगों ने भी कहा कि भारत की सुरक्षा के लिहाज से यह स्थान महत्वपूर्ण है लेकिन उन्होंने नहीं सुना।

किरू पनबिजली भ्रष्टाचार मामला:

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के परिसरों पर सीबीआई ने मारे छापे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2,200-करोड़ रुपए की लागत वाली किरू पनबिजली परियोजना में कथित भ्रष्टाचार के मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के परिसरों और 29 अन्य स्थानों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने दिल्ली और मुंबई के अलावा जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में 30 स्थानों पर सुबह छापे मारे, जिसमें लगभग 100 अधिकारी शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के आर के पुरम, द्वारका और एशियन गेम्स विलेज के अलावा गुरुग्राम और बागपत में मलिक से जुड़े परिसरों पर भी छापे मारे गए।

अधिकारियों ने कहा कि मलिक के कथित सहयोगियों, चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष नवीन कुमार चौधरी और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के अधिकारियों के परिसर पर छापे मारे गए।

मलिक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं पिछले तीन-चार दिन से बीमार हूं और अस्पताल में भर्ती हूं। इसके बावजूद सरकारी एजेंसियों के माध्यम से तानाशाह मेरे आवास पर छापे मार रहे हैं।

किसानों से हर समय बातचीत करने को तैयार सरकार : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्र सरकार ने किसानों को 'अन्नदाता' और 'भाई' कहते हुये गुरुवार को कहा कि वह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर आन्दोलन कर रहे किसानों से बातचीत को तैयार है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा, केन्द्र आंदोलनकरी किसानों से बातचीत करने को तैयार है। किसान हमारे 'अन्नदाता' और 'भाई' हैं। ठाकुर ने राजधानी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिये

कई कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा, हम पहले भी उनसे बातचीत के लिये तैयार थे और आज भी तैयार हैं तथा भविष्य में भी उनके विषयों पर बातचीत को तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के दौर में एमएसपी दोगुना हो गया है और खरीद भी दोगुने से अधिक हो रही है।

मंत्री ने गन्ने का उचित एवं लाभदायक मूल्य बढ़ाने के केन्द्र के फैसले का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत दुनिया में गन्ने का सबसे ज्यादा मूल्य दे रहा है। उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल ने गन्ना विपणन वर्ष 2024-25 के लिये बुधवार को गन्ने की उचित और लाभदायक दर आठ प्रतिशत बढ़ाकर प्रति क्विंटल 340 रुपये तय किया है।

ठाकुर ने कहा कि गन्ने की यह दर ए2+ फॉर्मूले के अनुसार, लागत से 107 प्रतिशत ऊंची है। ए2 फॉर्मूले में खाद्य बीज, रसायन, मजूदरी, सभी खर्चे शामिल होते हैं जबकि ए2+ पारिवारिक श्रम फॉर्मूले में खेती की वास्तविक लागत और परिवार के श्रम की लागत शामिल होती है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने दस साल में एमएसपी पर फसलों की खरीद के लिये 18.39 लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं।

फेमा की जांच के संबंध में

ईडी ने हीरानंदानी समूह के परिसरों पर छापे मारे

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के आरोपों की जांच के सिलसिले में, प्रतिष्ठित रियल एस्टेट समूह हीरानंदानी के मुंबई में और उसके आसपास स्थित चार से पांच परिसरों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि यह जांच फेमा के कथित उल्लंघन से जुड़ी है। यह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ फेमा से जुड़ी जांच के एक अन्य मामले से संबद्ध नहीं है। मोइत्रा को हाल में लोकसभा से निष्कासित किया गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से

एनसीपीसीआर ने दिया

फतवे को लेकर दारुल उलूम देवबंद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विवादित फतवे में 'गजवा-ए-हिंद' की बात कही गई है जो कथित तौर पर भारत पर आक्रमण के संदर्भ में शहादत का महिमामंडन करता है।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने दारुल उलूम देवबंद की वेबसाइट पर कथित आपत्तिजनक सामग्री पाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार को संस्था के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

सहारनपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को लिखे एक पत्र में, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने देवबंद की वेबसाइट पर प्रकाशित एक फतवे के संबंध में आयोग की आपत्ति के बारें में बताया।

आयोग ने कहा कि विवादित फतवे में 'गजवा-ए-हिंद' की बात कही गई है जो कथित तौर पर भारत पर आक्रमण के संदर्भ में शहादत का महिमामंडन करता है।

कानूनगो ने पत्र में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 75 के कथित उल्लंघन पर जोर देते हुए कहा, यह फतवा बच्चों को अपने ही देश के खिलाफ नफरत की भावना को उजागर कर रहा है और अंततः उन्हें अनावश्यक मानसिक या शारीरिक पीड़ा पहुंचा रहा है।

एनसीपीसीआर ने सीपीसीआर अधिनियम, 2005 की धारा 13(1) का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी सामग्री से राष्ट्र के खिलाफ नफरत भड़क सकती है।

'एक्स' ने किसान प्रदर्शन से जुड़े खाते, पोस्ट 'ब्लॉक' करने पर असहमति जतायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने किसानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़े खाते और पोस्ट 'ब्लॉक' करने के भारत सरकार के आदेश से बृहस्पतिवार को असहमति जतायी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आह्वान किया।

सूत्रों ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के अनुरोध पर किसानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़े 177 सोशल मीडिया खातों और वेब लिंक को अस्थायी रूप से 'ब्लॉक' करने का आदेश दिया है।

'एक्स' ने एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार ने शासकीय आदेश जारी किए हैं जिसके तहत एक्स को विशिष्ट खातों और पोस्ट्स पर कार्रवाई करने की आवश्यकता है जो अच्छे-खासे जुर्माने और कारावास सहित संभावित दंड के अधीन हैं। आदेश का अनुपालन करते हुए हम केवल भारत में ही इन खातों और पोस्ट्स पर रोक लगाएंगे, हालांकि, हम इन कार्रवाइयों से असहमत हैं और हमारा मानना है कि ये पोस्ट अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आनी चाहिए।

'विश्व व्यापार के नियमों के साथ खिलवाड़ किया गया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वतंत्रता मिलने के बाद पहले वर्ष में भारत ने बहुपक्षवाद पर भरोसा किया और वह 'कश्मीर पर हुए आक्रमण' के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले गया, लेकिन अन्य ने भू-राजनीतिक कारणों से इसे 'विलय' का मामला बना दिया। उन्होंने 'रायसीना डायलॉग' के एक सत्र में राष्ट्रीय हितों और बहुपक्षवाद के बीच सह-अस्तित्व की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए यह टिप्पणी की।

जयशंकर ने कहा, हमेशा से ही यह मामला रहा। हमारा अपना

उदाहरण देखिए, स्वतंत्रता के पहले वर्ष में हमने बहुपक्षवाद पर भरोसा किया और 'कश्मीर पर आक्रमण' के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले गए और अन्य ने इसे 'विलय' का मुद्दा बना दिया और उन्होंने भूराजनीतिक कारणों से ऐसा किया।

उनसे पूछा गया था कि क्या वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में मूल्य कम महत्वपूर्ण दिख रहे हैं क्योंकि कुछ देश सिद्धांतों से तो समझौता करते हैं, लेकिन हितों से कभी नहीं। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि लोग बहुपक्षवाद से खिलवाड़ कर रहे हैं, तो उन्होंने हमेशा ऐसा किया है। हम परिपक्व हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हमें बहुपक्षवाद के खिलाफ होना चाहिए। जयशंकर ने कहा, बहुपक्षवाद लघुत्तम साझा विभाजक या उससे कुछ ऊपर होता है। इसका अस्तित्व राष्ट्रीय हितों एवं विभिन्न देशों के बीच समीकरण एवं प्रतिस्पर्धा के साथ चलता रहता है।

विदेश मंत्री ने यह भी माना कि भावना और एकजुटता के लिए भी जगह है।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार पर एक अलग सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने वैश्वीकरण का हवाला दिया और कहा कि तथ्य यह है कि विश्व व्यापार नियमों के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने कहा, अगर आप पिछले पांच सालों को देखें, तो एक तरह से सभी बड़े मुद्दों हम बहुपक्षीय समाधान नहीं ढूंढ़ पाए हैं। इसलिए परिणाम या परिणामों की कमी सुधार करने के मामले को दर्शाती है।

23-02-2024 सूर्यास्त 6:27 बजे | 24-02-2024 सूर्योदय 6:38 बजे

BSE	NSE
73,158.24 (+535.15)	22,217.45 (+162.40)

सोना	चांदी
6,459 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	72,245 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पानी-पानी पाकिस्तान

सरकार बन रही कठपुतली,
सकते में हैं पाकिस्तानी।
जीते थे जो जनमत से वे,
बेकार हो गए इमरानी।
मारे मुनीर ने तीर बहुत,
हो गई उसीकी मनमानी।
है शर्मसार कानून वहां,
जनता भी है पानी-पानी।।

हिंदू श्रद्धालुओं का पैसा लूट रही है कर्नाटक सरकार : राजीव चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कर्नाटक विधानसभा द्वारा पारित हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार की बृहस्पतिवार को आलोचना की और कहा कि ऐसा करके राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी एक नये 'निचले स्तर' तक गिर गई है।

चंद्रशेखर ने कहा, ''हर बार जब आप सोचते हैं कि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस और निचले स्तर तक नहीं गिर सकती, तो उनके और भी न्यूनतम स्तर तक गिरने का एक नया उदाहरण सामने आ जाता है।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक कांग्रेस के लिए राहुल गांधी के चुने हुए नेता डी के शिवकुमार और सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार धार्मिक बंदोबस्ती विधेयक लेकर आई, जिसमें उनका प्रस्ताव है कि हर साल हिंदू मंदिरों को मिलने वाले दान का 10 प्रतिशत हिस्सा सरकार बिना कोई कारण बताये

ले लेगी।'' उन्होंने कहा, ''यह धनराशि जो आस्था के प्रतीक के रूप में हिंदू श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर के रखरखाव के लिए दी जा रही है, एक तरह से कर्नाटक सरकार द्वारा कांग्रेस की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लूटी जा रही है।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता चंद्रशेखर ने कहा, ''यह वह सरकार है जिसने कुछ ही महीनों में करोड़ों रुपये की बंदरबांट करके इसे अपने ठेकेदारों को दे दिया। और अब वे अपनी भ्रष्ट राजनीति को वित्त पोषित की कोशिश कर रहे हैं और कर्नाटक में हिंदू श्रद्धालुओं को अब कर्नाटक कांग्रेस की एटीएम मशीन को पैसा देना होगा... हिंदू श्रद्धालुओं का पैसा कर्नाटक सरकार द्वारा लूटा जा रहा है।''

कर्नाटक सरकार ने बुधवार को विधानसभा में हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक पारित कर दिया। विधेयक में कहा गया है कि सरकार उन मंदिरों की आय का 10 प्रतिशत राजस्व एकत्र करेगी जिनकी आय एक करोड़ रुपये से अधिक है।

बीजेपी के हंगामे के बीच विधान परिषद में पास हो गया 'प्रीमियम एफएआर' संशोधन बिल

प्रीमियम फ्लोर एरिया रेशो से अतिरिक्त राजस्व की संभावना बढ़ेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को विधान परिषद में लंबी बहस और बीजेपी सदस्यों की बैठक के बीच 'प्रीमियम एफएआर' (प्रीमियम फ्लोर एरिया रेशो) की खरीद-बिक्री की अनुमति देने वाला विधेयक पारित हो गया। बेंगलूरु शहरी विकास के प्रभारी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधान परिषद में 'कर्नाटक नगर और ग्रामीण नियोजन (संशोधन) विधेयक-2024' पेश किया। जो विधानसभा में पारित हो चुका है। विधेयक में स्थानीय नियोजन प्राधिकरण या शहरी स्थानीय निकाय को दिशानिर्देश दर का 40 प्रतिशत शुल्क देकर और दूसरों को एफएआर बेचकर बहुमंजिला इमारतों में अतिरिक्त मंजिलों के निर्माण की संभावना प्रदान की गई है।

प्रीमियम एफएआर की सीमा 0.4 प्रतिशत तय की गई है और ऐसा कहा जाता है कि टीडीआर (ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स) का उपयोग करके निर्मित भवन की एफएआर सीमा 0.6 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती है। इससे स्थानीय संस्थाओं की आय बढ़ेगी और उन्हें विकास कार्यों के लिए आवंटित किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि एफएआर की बिक्री से एकत्र शुल्क का उपयोग भूमि अधिग्रहण और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के लिए किया जा सकता है।

स्थल का नाप और सामने सड़क की माप के आधार पर माप कर अनुमति दी जाएगी कि कितनी मंजिली इमारत का निर्माण किया जा सकता है? इस बिल के कारण, बिल्डर्स प्रीमियम एफएआर खरीद सकते हैं और बिल्डिंग साइट माप के ऊपर अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण कर सकते हैं। सत्ता पक्ष के सदस्य नागराज यादव ने कहा, ''यह स्वागत योग्य है कि पुराने कानून को नया रूप दिया गया है। उन्होंने विधेयक के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया क्योंकि स्थानीय निकायों को अनुमति देने का अधिकार दिया गया है ताकि काम में कोई देरी न हो।''

एफएआर लागू होने पर बीजेपी सदस्य केएस नवीन ने संशोधन का स्वागत किया और सुझाव दिया कि 'जहां छोटी सड़कें होंगी, वहां भीड़भाड़ होगी और आग लगने की घटनाएं होंगी तो परेशानी होगी और सरकार को इस बारे में सोचना

चाहिए। बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ जाएगा। इसलिए एक समिति बनाएं और एक और दौर की समीक्षा के बाद प्रीमियम एफएआर संशोधन अधिनियम को फिर से लागू करें, भाजपा सदस्य केशवप्रसाद एस ने सरकार से मांग की। सत्तारूढ़ दल के सदस्य एमआर सीतारम ने समीक्षा समिति बनाने का विरोध किया।

विपक्षी सदस्यों ने जब विधेयक का मुद्दा उठाया तो उन्होंने कहा, 'मैं आपके सभी संदेहों का उत्तर दूंगा।'' आपके सभी सुझाव लेने के लिए तैयार हूं। हमारा इरादा है कि आपके द्वारा बनाए गए कानून को सरल बनाया जाए और कर्नाटक के सभी हिस्सों के लोगों को इसका लाभ मिले और स्थानीय संगठनों की आय में वृद्धि हो। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि पहले भी तत्कालीन बोम्मई की सरकार भी इसमें संशोधन करने जा रही थी। यह कानून पहले से ही मौजूद है। हम कुछ भी नया नहीं लाने जा रहे हैं। हमने इसमें संशोधन किया है ताकि स्थानीय संगठन भी इसका लाभ उठा सकें।

बीबीएमपी संपत्ति कर संशोधन विधेयक विधान परिषद में पारित

पीपुल्स-फ्रेंडली बीबीएमपी (संशोधन) विधेयक 2024 गुरुवार को विधान परिषद में पारित किया गया, जिसमें बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र के तहत संपत्ति कर बकाया पर जुर्माने की राशि में 50 प्रतिशत की कटौती शामिल है। डीके शिवकुमार, जिनके पास बेंगलूरु शहरी विकास विभाग भी है, ने विधान परिषद में बीबीएमपी संपत्ति कर संशोधन विधेयक पेश किया।

यह बिल विधानसभा में पहले ही पारित हो चुका है। वर्ष 2020 में बीजेपी सरकार की` गलती के कारण आम आदमी पर टैक्स का बोझ बढ़ गया थ, हमारी सरकार ने ये बोझ कम किया है।

जिन लोगों का संपत्ति कर विवाद होता था उन्हें पहले ट्रिब्यूनल या हाई कोर्ट जाना पड़ता था। इस समस्या से बचने के लिए अपीलीय समिति का गठन किया गया है और लोग अदालत जाने से बचेंगे। 15वें वित्त आयोग ने नियम बनाया है कि संपत्ति कर संपत्ति के मूल्य के अनुरूप होना चाहिए और उसके बाद ही अनुदान जारी किया जाएगा। इसी वजह से सरकार संशोधन के लिए आगे आई। राज्य के अन्य जिलों में संपत्ति कर का निर्धारण संपत्ति के मूल्य के आधार पर किया जाता था। चूंकि केवल बेंगलूरु में अंतर था, इसलिए संपत्ति कर बढ़ाए बिना नया संशोधन किया गया।

सत्ता पक्ष के नागराज यादव ने संशोधन विधेयक की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा, ''पीपुल्स फ्रेंडली टैक्स से बीबीएमपी का राजस्व बढ़ेगा, यह बेंगलूरु शहर के विकास के लिए एक प्रगतिशील विधेयक है।'' जनता दल एस के सदस्य टी.ए. सरवन ने सुझाव देते हुए कहा, जिन लोगों ने स्व-घोषित संपत्ति कर के दौरान गलत जानकारी दी है, उन्हें कुछ छूट दी जानी चाहिए या एकमुश्त भुगतान करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

जब अधिकांश सदस्यों ने शहर के भीतर कृषि भूमि और परिवर्तित भूमि की गाइडलाइन दर के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, ''निगम के अधिकार क्षेत्र में 110 गांवों सहित कृषि भूमि पर कोई कर नहीं है। परिवर्तित भूमि पर केवल 0.025 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। गाइडलाइन रेट राजस्व विभाग द्वारा तय किया जाता है। इसे प्रति वर्ष केवल 5 प्रतिशत बढ़ाने की अनुमति है। लंबी चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने अपने सुझाव रखे और इस संशोधन विधेयक को पारित कर दिया। इसके बाद विधेयक पर मतदान हुआ और पारित हो गया।

भाजपा ने राजनीति में विश्वसनीयता का संकट समाप्त किया: राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नबरंगपुर (ओडिशा)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस द्वारा पैदा किए गए ''राजनीति में विश्वसनीयता के संकट'' को समाप्त किया और वादों को पूरा करके लोगों का विश्वास हासिल किया है।

रक्षा मंत्री सिंह चार लोकसभा क्षेत्रों नबरंगपुर, कालाहांडी, कोरापुट और बोलांगीर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं किया जिससे लोगों का नेताओं पर से भरोसा उठ गया था, लेकिन भाजपा ने अपने चुनावी वादों को पूरा करके लोगों का भरोसा जीता है। इस प्रकार राजनीति में विश्वसनीयता का संकट समाप्त हुआ है। जनता को अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा है। सिंह ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस चुनाव के बाद लोगों से किए गए वादे ''भूल'' जाती थी और इसीलिए लोगों का नेताओं पर से 'भरोसा उठ' गया था। रक्षा मंत्री ने कहा लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2014 में सत्ता में आने के बाद से चीजें बदली हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, आप हमारे चुनाव घोषणापत्र को देख सकते हैं और आप पाएंगे कि सभी वादे पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने, तीन तलाक को खत्म करने और अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण का वादा किया था और सभी वादे पूरे किए गए। उन्होंने कहा कि लोगों को अब एहसास हो गया है कि भाजपा जो वादे करती हैं उन्हें पूरा करती है। रक्षा मंत्री ने कहा, हम (भाजपा) लोगों की सेवा करने की और राष्ट्र निर्माण के लिए राजनीति करते हैं केवल देश पर शासन करने की नहीं। रक्षा मंत्री ने इस बात का जिक्र किया कि जब उन्होंने 2006 में 'भारत सुरक्षा यात्रा' की शुरुआत की थी उस वक्त देश में कैसे जिहादी आतंकवाद और अतिवाद जोर पकड़ रहा था। इसने राष्ट्रीय सुरक्षा और जनता की सुरक्षा को लेकर प्रश्न पैदा किया था। उन्होंने कहा, 2014 में भाजपा के बहुमत से जीत हासिल करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से चीजें तेजी से बदली हैं। आतंकी हमलों में काफी कमी आई है। उरी और पुलवामा से हमारे सशस्त्र बलों ने यह साबित कर दिया कि वे जरूरत पड़ने पर सीमा के अंदर और सीमा पार भी आतंकवादियों को मार गिरा सकते हैं। यह भारत की ताकत है।

उत्तराखंड : हेमकुंड साहिब 25 मई को श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा

गोपेश्वर (उत्तराखंड)/भाषा। उत्तराखंड के हिमालय में स्थित सिख तीर्थस्थल हेमकुंड साहिब 25 मई को श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा।

श्री हेमकुंड साहिब प्रबंधन न्यास के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को बताया कि धाम के कपाट 25 मई को खुलेंगे और 10 अक्टूबर को बंद होंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से इसी के अनुसार अपनी योजना बनाने का अनुरोध किया। हेमकुंड साहिब उत्तराखंड के सीमावर्ती चमोली जिले में बदरीनाथ धाम के नजदीक है। समुद्रतल से करीब 15 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित यह तीर्थस्थल सर्दियों में बंद रहता है।

जल्दबाजी में उठाया कदम महंगाई को काबू में लाने के प्रयास को कर सकता प्रभावित

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि मुद्रास्फीति को काबू में लाने का काम अभी खत्म नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि नीतिगत मोर्चे पर जल्दबाजी में उठाया गया कोई भी कदम कीमत के मोर्चे पर अबतक जो सफलता हासिल की गई है, उसपर प्रतिकूल असर डाल सकता है। केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक का ब्योरा जारी किया। इसके अनुसार, दास ने कहा था, इस समय मौद्रिक नीति का रुख सतर्क होना चाहिए और यह नहीं मानना चाहिए कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर हमारा काम खत्म हो गया है। द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा को लेकर एमपीसी की

बैठक इस महीने छह से आठ तारीख को हुई थी। एमपीसी को मुद्रास्फीति को नीचे लाने के 'अंतिम छोर' को सफलतापूर्वक पार करने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। दास ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.5% पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान करते समय यह टिप्पणी की।

सैकड़ों लोगों ने प्रस्तावित वाढवण बंदरगाह के खिलाफ 'रास्ता रोको' प्रदर्शन किया

पालघर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में प्रस्तावित वाढवण बंदरगाह परियोजना का विरोध करने के लिए बृहस्पतिवार को मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर सैकड़ों लोगों ने 'रास्ता रोको' प्रदर्शन किया, जिसके कारण घंटों तक यातायात बाधित रहा। राजमार्ग पर चारोटी टोल प्लाजा पर दोपहर 12 बजे से 2.30 बजे तक सड़क अवरुद्ध की गई और इस दौरान ग्रामीणों और मछुआरों ने करोड़ों रुपए के इस नए बंदरगाह के खिलाफ काले झंडे लहराए और नारे लगाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह परियोजना उनकी आजीविका के लिए खतरनाक होगी। वे राज्य सरकार तथा केंद्र के साथ बातचीत करना चाहते हैं ताकि उनकी चिंताओं को हल किया जा सके। जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण ने पहले बताया था कि वाढवण जिले के दहाणु तालुक में स्थित एक गांव है। वाढवण बंदरगाह का निर्माण जवाहलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड द्वारा किया जा रहा है और इसे फरवरी 2020 में केंद्र से सैद्धांतिक मंजूरी मिली थी। उसने कहा कि बंदरगाह निर्माण से क्षेत्र के लोग बेघर नहीं होंगे क्योंकि उचित मुआवजे के साथ केवल सीमित जमीन का ही अधिग्रहण किया जाएगा।

शिवसेना विधायक का दावा: 1987 में किया बाघ का शिकार, गले में पहनते हैं उसका दांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एकनाथ शिंदे की नेतृत्व वाली शिवसेना के एक विधायक ने दावा किया है कि उन्होंने 37 साल पहले एक बाघ का शिकार किया था और वह उसका दांत अपने गले में पहनते भी हैं। महाराष्ट्र में विदर्भ क्षेत्र के बुलढाणा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संजय गायकवाड़ का यह दावा करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गायकवाड़ अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। वह वीडियो में यह कहते नजर आ रहे हैं, यह बाघ का दांत है। वर्ष 1987 में मैंने इसका शिकार किया था।

ऐसा माना जा रहा है कि यह वीडियो सोमवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती 'शिव जयंती' के अवसर पर रिकॉर्ड की गई थी। इसे सोशल मीडिया पर शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' द्वारा भी ऑनलाइन पोस्ट किया गया है।

वर्ष 1987 से बहुत पहले ही देश में बाघों के शिकार को अपराध घोषित कर दिया गया था। संजय गायकवाड़ को की गई कॉल का कोई जवाब नहीं मिला है।

दिल्ली, गुजरात, हरियाणा में साथ चुनाव लड़ने को तैयार कांग्रेस व आप, जल्द हो सकती है घोषणा : सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) आगामी लोकसभा चुनाव दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में मिलकर लड़ने की तैयारी में हैं और दोनों दल जल्द ही सीट बंटवारे को लेकर घोषणा कर सकते हैं।

सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दोनों दलों के बीच दिल्ली और कुछ अन्य राज्यों में सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है और दोनों पक्ष जल्द ही इस बारे में घोषणा कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों दलों ने इसे लेकर सहमति जता दी है कि कौन-कौन सी सीट पर कौन दल चुनाव लड़ेगा।

आप से जुड़े सूत्रों ने बताया कि आप दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा सीट पर

उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कांग्रेस चांदनी चौक, पूर्वी दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ेगी। राष्ट्रीय राजधानी में सात लोकसभा सीट हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सभी सीट भाजपा ने जीती थीं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने आप को हरियाणा में एक और गुजरात में दो सीट देने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा में आप गुरुग्राम या फरीदाबाद में से किसी एक सीट पर चुनाव लड़ सकती है, जबकि गुजरात में भरूच और भावनगर लोकसभा सीट आप के हिस्से में जा सकती हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत अहमद पटेल के पुत्र और पुत्री भरूच से टिकट के दावेदार माने जा रहे हैं।

सीयूईटी-यूजी में अंकों के सामान्यीकरण की व्यवस्था खत्म की जा सकती है : यूजीसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट (सीयूईटी)-यूजी में 'अंकों के सामान्यीकरण' की व्यवस्था को इस वर्ष से समाप्त किया जा सकता है और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) इस अहम परीक्षा में बदलाव करने की योजना बना रही है। शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दरअसल प्रत्येक परीक्षा सत्र में उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र के अलग-अलग सेट दिए जाते हैं। हालांकि एनटीए प्रश्न पत्रों को समान स्तर का बनाने का पूरा प्रयास करता है, लेकिन यह संभव है कि किसी पाली में उम्मीदवारों को परीक्षापत्र में कुछ कम कठिन प्रश्न मिलें, वहीं किसी पाली में उम्मीदवारों को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़े। इसके कारण यह भी संभव है कि ऐसे

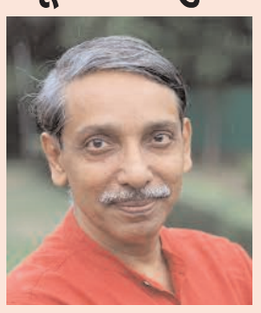

उम्मीदवार अन्य उम्मीदवारों की तुलना में अपेक्षाकृत कम अंक प्राप्त करें। इस समस्या को दूर करने और परीक्षा में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, एनटीए प्रतिशत स्कोर के आधार पर अंकों की 'यूजीसी नेट सामान्यीकरण' व्यवस्था को अपनाता है। अभी तक यह परीक्षा कम से कम एक माह तक चलती थी। अब इसके कम अवधि में संपन्न कराए जाने की भी संभावना है क्योंकि एजेंसी 'ओएमआर शीट' और कंप्यूटर आधारित परीक्षा कराने की योजना तैयार कर रही है।

उत्तराखंड के देहरादून में फर्जी सिम कार्ड घोटाले का भंडाफोड़

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने एक फर्जी सिम कार्ड घोटाले का भंडाफोड़ कर गिरोह के सरगना को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ (साइबर अपराध) आयुष अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली के चांदनी महल के तुर्कमान गेट निवासी मुदस्सिर मिर्जा के पास से तीन हजार फर्जी सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब देहरादून निवासी एक व्यक्ति ने स्थानीय साइबर अपराध पुलिस थाने में 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' के माध्यम से शेयर बाजार में निवेश का लालच दिया गया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपी को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार मिर्जा ने धोखाधड़ी के लिए स्मार्ट उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले 'एम2एम' सिम का इस्तेमाल किया।

जम्मू-कश्मीर में नई स्टार्टअप नीति को मंजूरी मिली

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने केंद्रशासित प्रदेश में वर्ष 2027 तक 2,000 स्टार्टअप स्थापित करने के लक्ष्य के साथ एक नई स्टार्टअप नीति को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता के मुताबिक, यह नीति छात्रों, महिलाओं को उद्यमिता सुविधाएं देती है और स्टार्टअप स्थापित करने के लिए सरकारी, निजी और उच्च आय वाले व्यक्तियों के जरिये उद्यमियों को सहायता मुहैया कराती है। प्रवक्ता ने कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक परिषद (एसी) की बैठक में 2018 में अधिसूचित स्टार्टअप नीति की जगह लेने वाली जम्मू-कश्मीर स्टार्टअप नीति 2024-27 को मंजूरी दी गई। इसके तहत प्रशासन 250 करोड़ रुपए का उद्यम पूंजी कोष स्थापित करेगा और इसमें शुरुआती दौर में 25 करोड़ रुपए डाले जाएंगे। इस कोष से मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप में निवेश किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान वृद्धि की अच्छी संभावना वाले स्टार्टअप को भूमि आवंटन से संबंधित एक व्यवस्था बनाने पर भी काम कर सकता है।

'एमवीए में सीट-बंटवारे की बातचीत अंतिम चरण में'

मुंबई/भाषा। कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने बृहस्पितवार को कहा कि राज्य में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटकों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत अंतिम चरण में है और इस महीने के अंत तक आखिरी निर्णय की घोषणा कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि लोस चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन में कोई मतभेद नहीं है। गठबंधन की बैठक 27 और 28 फरवरी को होगी जिसमें राकांपा-शरदचंद्र पवार, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी भी शामिल है। चेन्निथला ने पार्टी मुख्यालय तिलक भवन में राज्य कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद बात की। उन्होंने कहा, सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। इस फैसले की घोषणा 27 और 28 तारीख की बैठक के बाद की जाएगी। एमवीए गठबंधन मजबूत है और हर कोई अधिकतम सीटें जीतने के लिए एकजुट होकर काम करेगा। प्रकाश आंबेडकर, शरद पवार और उद्धव ठाकरे के साथ बातचीत चल रही है। चेन्निथला ने कहा कि लोनावाला में हाल में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि पार्टी को जमीनी स्तर पर कैसे मजबूत किया जाए और मुंबई कांग्रेस की चुनावी तैयारी की भी समीक्षा की जा रही है। राज्य में कांग्रेस के प्रमुख नाना पटोले ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) का देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का नारा एक मजाक है क्योंकि भ्रष्टाचार के आरोपी सभी नेता भाजपा के साथ हैं।

गुलमर्ग में हिमस्खलन के चलते एक रूसी की मौत, छह लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बृहस्पतिवार को हिमस्खलन की चपेट में आकर एक रूसी स्कीयर की मौत हो गई, जबकि एक स्थानीय गाइड सहित छह लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हिमस्खलन ने अपराह्न करीब दो बजे गुलमर्ग के कोंगदूरी ढलान को अपनी चपेट में ले लिया और इसमें कई स्कीयर दब गए।

उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने बर्फ के अंदर दबे छह रूसी स्कीयर और गाइड को बाहर निकाल लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि एक रूसी स्कीयर की मौत हो गई है, जबकि छह अन्य का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के गश्ती दल बचाव-सह-तलाशी अभियान चला रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि हिमस्खलन में फंसे लोगों को निकालने और प्रभावी बचाव अभियान के लिए हेलीकॉप्टर की मदद ली जा रही है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया, पर्यटन विभाग के गुलमर्ग स्की गश्त और पुलिस के बीच समन्वित अभियान की वजह से छह रूसी स्कीयर और एक स्थानीय गाइड को हिमस्खलन के बाद गुलमर्ग के ऊंचाई वाले इलाके से सफलतापूर्वक बचाया गया। गुलमर्ग के इस ऊंचाई वाले इलाके को 'आर्मी रिज' कहा जाता है।

वोडाफोन आइडिया के लिए प्रतिबद्ध, निवेशकों को लाने के प्रयास जारी: कुमार मंगलम बिड़ला

पानीपत/भाषा। उद्योगपति एवं आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने नकदी संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया को लेकर समूह की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि बाहरी निवेशकों को जोड़ने के प्रयास जारी हैं।

इस सवाल पर कि ऐसे निवेशकों को कितनी जल्दी जोड़ा जा सकता है बिड़ला ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए कोई तय समयसीमा नहीं बता सकते। समूह ने बिड़ला ओपस पेंट्स बिजनेस के तहत पानीपत (हरियाणा), लुधियाना

(पंजाब) और चेय्यर (तमिलनाडु) में तीन बिड़ला ओपस पेंट्स संयंत्र का परिचालन बृहस्पतिवार को शुरू किया। इस मौके पर बिड़ला ने कहा, हम वोडाफोन आइडिया को लेकर प्रतिबद्ध हैं और जैसा कि हमने सार्वजनिक तौर पर कहा है बाहरी निवेशकों को लाने के प्रयास जारी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

कांग्रेस सरकार ने हिंदू धार्मिक संस्थानों, मंदिरों, विभागों में बकाया अनुदान के साथ अन्याय किया है : आर. अशोक

- वक्फ बोर्ड के लिए 100 करोड़, मंदिरों के लिए सिर्फ 17 करोड़?
- केंद्र सरकार द्वारा दिया गया 2 लाख करोड़ रु. अनुदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस सरकार ने हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के साथ बहुत अन्याय किया है। इसके अलावा, प्रत्येक विभाग में विकास के लिए धन खर्च नहीं किया जाता है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया का 15वां बजट 'टूटे शीशे जैसा' गरीब विरोधी और हिंदुओं के साथ विश्वासघात जैसा है।उन्होंने विधानसभा में बजट पर बहस में भाग लेते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा मंदिरों के साथ भी अन्याय किया गया है। भाजपा सरकार के दौरान 2022-23 में मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के लिए 274 करोड़ रुपए दिए गए। वहीं मुख्यमंत्री के विशेष अनुदान के तहत 154.80 करोड़ अलग से दिए गए। आज कांग्रेस सरकार अनुदान के रूप में सिर्फ 17 करोड़ रु. आवंटित कर रही है। जो लगभग 90 प्रतिशत कम है। वहीं वक्फ बोर्ड को 100 करोड़ रु. अनुदान दिया जाता है। यह कांग्रेस नेताओं द्वारा दिखाया गया प्रेम है। एक ने चुटकी लेते हुए कहा कि मेरे नाम में राम हैं तो दूसरे ने कहा कि मेरे नाम में शिव हैं।

भाजपा सरकार ने हिंदू भूमि के विकास के लिए 24.7 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वर्तमान सरकार ने 10 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। उन्होंने शिकायत की कि इसे दरकिनार कर दिया गया। मंदिरों की संपत्ति करोड़ों रुपये की है और उन्हें बनाए रखने के लिए अधिक धन की आवश्यकता है। जब मैं परिवहन मंत्री था तो 1200 एकड़ सरकारी जमीन की नीलामी से बचने में कामयाब रहा और इसे परिवहन विभाग को दे दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह सरकारी जमीन को बचाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए।

कर संग्रह में कमी

वर्ष 2023-24 के लिए कर लक्ष्य 1,75,653 करोड़ रुपये रखा गया वहीं संग्रह 1,61,494 करोड़ रुपए हुआ। यानी लक्ष्य से 14,159 करोड़ रुपए कम। यह कांग्रेस सरकार की विफलता है। 2024-25 के लिए कर संग्रह लक्ष्य 1,89,893 करोड़ रुपये है। पिछले वर्ष लक्ष्य पूरा नहीं हो सका था और इस बार अधिक लक्ष्य दिया गया है। जब कोविड आया तो भाजपा सरकार ने संपत्ति पंजीकरण दर 10 प्रतिशत कम कर दी। इससे कर संग्रह लक्ष्य से अधिक हुआ। ऐसे में सरकार ने इस बार भी 10-12 हजार करोड़ रु. टैक्स बढ़ाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।

भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर मंदिरों की आय पर नजर रखने का आरोप लगाया, मंत्री ने कदम का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने दस लाख रुपये की सकल आय अर्जित करने वाले मंदिरों से राजस्व इकट्ठा करने संबंधी राज्य सरकार के कदम का बृहस्पतिवार को बचाव किया।

परिवहन और हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती मंत्री ने यह प्रतिक्रिया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक लाने के लिए सरकार पर निशाना साधने के बाद की है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार मंदिर के पैसों से अपना 'खाली खजाना' भरना चाहती है।

कर्नाटक विधानसभा द्वारा बुधवार को पारित विधेयक के संबंध में, राज्य सरकार ने कहा कि साझा योगदान वाले कोष की राशि बढ़ाना, अधिसूचित संस्थानों की प्रबंधन समिति में विश्व हिंदू मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला में कुशल व्यक्ति को शामिल करना और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए मंदिरों और बुनियादी ढांचे में सुधार के वास्ते जिला और राज्य स्तरीय समितियों का गठन करना आवश्यक था। रेड्डी ने पत्रकारों से कहा कि यह प्रावधान नया नहीं है बल्कि 2003 से अस्तित्व में है।

कर्नाटक में राजस्व की दृष्टि से 'सी' श्रेणी में तीन हजार ऐसे मंदिर शामिल हैं, जिनकी आय पांच लाख रुपये से कम है और इन मंदिरों से 'धार्मिक परिषद' को कोई पैसा नहीं मिलता है। धार्मिक परिषद तीर्थयात्रियों के लाभ के लिए मंदिर प्रबंधन में सुधार करने वाली एक समिति है।

पांच लाख रुपये से 25 लाख रुपये के बीच की आय वाले मंदिर बी श्रेणी में आते हैं, जहां से सकल आय का पांच प्रतिशत 2003 से धार्मिक परिषद को जा रहा है।

रेड्डी ने कहा, ''अब हमने यह किया है कि यदि आय 10 लाख रुपये तक है तो हमने इसे धार्मिक परिषद को भुगतान करने से मुक्त कर

दिया है। हमने ऐसे मंदिरों से पांच प्रतिशत राशि वसूलने का प्रावधान किया है जिनकी सकल आय 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बीच है।'' उन्होंने कहा, ''जिन मंदिरों की आय एक करोड़ रुपये से अधिक है, उनसे दस प्रतिशत राजस्व वसूला जायेगा। यह सारी राशि धार्मिक परिषद तक पहुंचेगी।'' मंत्री ने कहा कि राज्य में 40,000 से 50,000 पुजारी हैं, जिनकी राज्य सरकार मदद करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''यदि यह धनराशि धार्मिक परिषद तक पहुंचती है तो हम उन्हें बीमा कवर प्रदान कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि अगर उनके साथ कुछ होता है तो उनके परिवारों को कम से कम पांच लाख रुपये मिलें। प्रीमियम का भुगतान करने के लिए हमें सात करोड़ रुपये से आठ करोड़ रुपये की आवश्यकता है।''

मंत्री ने कहा कि सरकार मंदिर के पुजारियों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करना चाहती है, जिसके लिए सालाना पांच करोड़ से छह करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस पूरी राशि से केवल मंदिर के पुजारियों को फायदा होगा, जिनमें से कई की हालत खराब है।

भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस कदम को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा, भ्रष्ट, अयोग्य लूट सरकार' ने धर्मनिरपेक्षता की आड़ में हिंदू विरोधी विचारधारा के साथ, मंदिरों के राजस्व पर अपनी बुरी नजर डाली है। हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती संशोधन अधिनियम के माध्यम से, यह अपने खाली खजाने को भरने के लिए हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों से दान के साथ-साथ चढ़ावे को भी हड़पने की कोशिश कर रही है।''

उन्होंने कहा कि सरकार की योजना एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले मंदिर के राजस्व का 10 प्रतिशत और पांच करोड़ रुपये से कम की आय वाले मंदिर के राजस्व का पांच प्रतिशत हड़पने की है। उन्होंने कहा कि मंदिर के राजस्व का इस्तेमाल पूरी तरह से मंदिरों के जीर्णोद्धार और भक्तों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाना चाहिए, न कि इसे अन्य उद्देश्यों के लिए खर्च किया जाना चाहिए।

विजयेंद्र ने सरकार से पूछा कि राजस्व के लिए केवल हिंदू मंदिरों को ही क्यों निशाना बनाया जाता है और यह सवाल लाखों भक्तों द्वारा उठाया गया है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य ए' श्रेणी में शामिल मंदिरों के अधिकार क्षेत्र में तीर्थयात्रियों को सुविधाएं और सुरक्षा प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूली विद्यार्थियों के लिए बहुपोषण साईं श्योर रागी हेल्थ मिक्स के वितरण की शुरुआत की।

- 55 लाख सरकारी स्कूल के बच्चों के मानसिक पोषण के लिए बाजरा माल्ट का वितरण

अच्छे पोषण से अच्छी शिक्षा मिलती है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हमने 55 लाख सरकारी स्कूल के बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बाजरा माल्ट का वितरण शुरू किया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि अच्छे पोषण से अच्छी शिक्षा मिलती है। उन्होंने गुरुवार को बैंक्वेट हॉल में आयोजित साईं श्योर रागी हेल्थ मिक्स वितरण कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही।

जब 2013 में हमारी सरकार आई तो हमारा दूध उत्पादन बढ़ गया था। इस अतिरिक्त दूध की बिक्री और दूध के सह-उत्पादों का अधिक मात्रा में उत्पादन नहीं किया जा सका। इसलिए, सरकार ने तुरंत स्कूली बच्चों को सप्ताह में पांच दिन दूध उपलब्ध कराने के लिए क्षीरभाग्य योजना शुरू की थी। केएमएफ के माध्यम से बच्चों तक दूध पहुंचाया जाता था। यह दूध का पैसा सरकार द्वारा केएमएफ को दिया जाता है। इस प्रकार हमने केएमएफ को दूध की आपूर्ति करने

वाले किसानों की मदद करने का निर्णय लिया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि पिछले बजट में हमने स्कूली बच्चों को सप्ताह में दो बार अंडा देने का कार्यक्रम शुरू किया था।

अब सर्वाधिक पौष्टिक बाजरा माल्ट उपलब्ध कराने का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। इससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। बच्चों में खून की कमी नहीं होनी चाहिए। किसी भी प्रकार के पोषण की कमी नहीं होनी चाहिए। तभी बच्चे मानसिक रूप से मजबूत और पढ़ने में चुस्त बनेंगे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। अमीरों के बच्चों की तरह गरीबों, मजदूरों, दलितों और शूद्रों के बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। क्योंकि ये बच्चे ही हैं जो देश और समाज के भविष्य को आकार देते हैं, उन्होंने बुद्ध, बसव और अंबेडकर के शब्दों को उद्धृत किया। बौद्धिक शिक्षा से ही अहंकारमुक्त समाज का निर्माण संभव है। शिक्षा से ही आत्मसम्मान बढ़ाया जा सकता है। शिक्षा से ज्ञान का विकास संभव है। शिक्षा का मतलब सिर्फ पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं है। समाज की समस्याओं पर प्रतिक्रिया देने वाली तर्कसंगत शिक्षा आवश्यक है। यहाँ तक कि उच्च शिक्षित डॉक्टर और इंजीनियर भी अब गरीबी में गिर गए हैं। बसवन्ना शरणों ने धन-मुक्त समाज के निर्माण के लिए कड़ी मेहनत की।

नेमप्लेटों पर कन्नड़ को लेकर मंत्री की बीबीएमपी अधिकारियों के साथ बैठक

- सीमावर्ती जिले और सभी निगम में जल्द बैठक का निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ और संस्कृति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री शिवराज तंगड़ी ने निगम आयुक्त को निर्देश दिया है कि जैसे ही राज्यपाल कन्नड़ भाषा एकीकृत को अपनी सहमति देते हैं, बेंगलूरु में दुकान के सामने के नेमप्लेट में 60 प्रतिशत कन्नड़ अनिवार्य करने के लिए कदम उठाएं। नेमप्लेट में 60 फीसदी कन्नड़ भाषा के इस्तेमाल को लेकर मंत्री ने गुरुवार को विधानसौधा में बीबीएमपी और कन्नड़ व संस्कृति विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

निगम आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने मंत्री के संज्ञान में लाया कि बीबीएमपी के तहत नेमप्लेट लगाने के संबंध में वार्डवार कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है और लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है।

मंत्री शिवराज तंगड़ी ने कहा कि जल्द ही निगम के अंतर्गत आने वाले आठों जोन में अधिकारियों की बैठक होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अधिकारियों को इस मामले में गंभीरता से काम करना चाहिए। साथ ही उन्होंने साथ ही कहा कि नेमप्लेट में 60 फीसदी कन्नड़ भाषा को अपनाने को लेकर सीमावर्ती जिले और निगम में अधिकारियों की बैठक होगी।

इस अवसर पर निगम आयुक्त तुषार गिरिनाथ, निगम विशेष आयुक्त विकास किशोर सुरलकर, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग सचिव डॉ. एन मंजुला, निदेशक डॉ. धरणी देवी मालागट्टी, संयुक्त निदेशक बनशंकरी अंगड़ी, बलवंतराय पाटिल, मंत्री के निजी सचिव मधुसूदन रेड्डी, कन्नड़ विकास प्राधिकरण सचिव संतोष हनागल और अन्य उपस्थित थे।

गृहलक्ष्मी योजना बहुत सफल है: लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गृहलक्ष्मी योजना से राज्य की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और हम हर महीने लगभग 1.18 करोड़ महिलाओं को गृहलक्ष्मी योजना का पैसा जारी कर रहे हैं। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि गृहलक्ष्मी योजना सफलतापूर्वक चल रही है।

गुरुवार को बजट पर चर्चा के दौरान थेराडाल निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी विधायक सिद्दू सावदी ने आपत्ति जताई कि गृहलक्ष्मी योजना पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि बजट में सालाना 34 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। उन्होंने कहा यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। गृहलक्ष्मी के आने के बाद महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। सभी लाभार्थी सरकार को आशीव

दि दे रहे हैं। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने पलटवार करते हुए कहा कि सिर्फ आप (विपक्षी दल) ही इस प्रोजेक्ट पर आपत्ति जता रहे हैं। आपके विधानसभा क्षेत्र में कितने

लोगों तक गृहलक्ष्मी योजना पहुंची है? जरूरत पड़ी तो आंकड़ों सहित इसकी जानकारी दूंगी और इसका लाभ भी दूंगी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट की बेवजह आलोचना न करें। औसतन 100 में से 97 लोग योजना के दायरे में आते हैं, जबकि बाकी तीन किसी कारणवश कवर नहीं हो पाते। उन्होंने बताया कि हमारे विभाग के अधिकारी इस समस्या का समाधान करने में जुटे हुए हैं।

गृहलक्ष्मी योजना की धनराशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। यहां कोई बिचौलिया नहीं है। विधवा वेतन पाने के लिए रिश्वत की शर्त थी। लेकिन गृहलक्ष्मी सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने अनुरोध किया कि वरिष्ठ विधायक सदन को गलत जानकारी न दें।

पावरग्रिड POWERGRID

कोप्पल-II गदग-II ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारत सरकार का उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र- II आरएचक्यू, आरटीओ ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के पास, सिंगानायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलूरु - 64.
फ़ोन 080-23093700

सार्वजनिक सूचना

कोप्पल-II गदग-II ट्रांसमिशन लिमिटेड (जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली, भारत-110016 है, धारा 164 के तहत उसे सभी शक्तियां प्रदान करने के लिए भारत सरकार को आवेदन करने का इरादा रखता है। विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत बिजली के पारेषण के लिए या टेलीफोन या टेलीग्राफिक संचार के प्रयोजन के लिए विद्युत लाइनें या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए आवश्यक कार्यों के उचित समन्वय के लिए जो टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास दूरसंचार अधिनियम, 2023 (पूर्व भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885) के तहत है।), सरकार द्वारा स्थापित या रखरखाव किए जाने वाले टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए टेलीग्राफ लाइनें और पोस्ट रखने के संबंध में और सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और अन्य कार्य करेगा। निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव और अन्य कार्य किए जाएंगे।

ट्रांसमिशन योजना का नाम: कर्नाटक में कोप्पल-द्वितीय (चरण-ए) और गदग-द्वितीय (चरण-ए) में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र (चरण-द्वितीय) का एकीकरण।

इस योजना के अंतर्गत शामिल कार्य:

क्र. सं.	ट्रांसमिशन योजना का दायरा
1	765/400 केवी 2x1500 एमवीए, 400/220 केवी, 2x500 एमवीए कोप्पल-द्वितीय (चरण-ए) पूलिंग स्टेशन की स्थापना, जिसमें 400 केवी स्तर पर प्रत्येक 4500 एमवीए के दो (2) खंड और चार (4) खंडों का प्रावधान है। 220 केवी स्तर पर प्रत्येक 2500 एमवीए का।
2	कोप्पल-II पीएस - नरेंद्र (नई) कोप्पल-II पीएस छोर पर 240 एमवीएआर एसएलआर के साथ 765 केवी डी/सी लाइन
3	कोप्पल-II पीएस में 2x330 एमवीएआर (765 केवी) और 2x125 एमवीएआर (400 केवी) बस रिएक्टर
4	400/220 केवी, 2x500 एमवीए गडग-II (चरण - ए) पूलिंग स्टेशन की स्थापना
5	गडग-II पीएस - कोप्पल-II पीएस 400 केवी (क्वाड मूस) डी/सी लाइन
6	गडग-II पीएस में 2x125 एमवीएआर 420 केवी बस रिएक्टर

योजना के तहत कवर की गई 765 केवी डी/सी कोप्पल-II पीएस- नरेंद्र (नई) पीएस ट्रांसमिशन लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों के बीच से, ऊपर से, आसपास से गुजरेगी:

राज्य: कर्नाटक

गाँव का नाम	तहसील	ज़िला
रयावनाकी, बेलापुरा डी, मंगलुरा	कुकनुरा	कोप्पल
वनागेरी, गुत्थुरा, लाकमगुली, चिक्कमायगेरी, मुरादी, गेड्डीगेरी, हुलिगुड्डा, मक्कल्ली, मंडलामारी, होसुरा, सलाभावी, वज्रबंदी, निंगबंदी, मातरंगी, कलाकाबंदी, कोनासागर, चिक्काबन्नीगोला, थल्लुरा	येलबुर्गा	कोप्पल
परसापुरा, यालाबुर्थी, हिरेबन्नीगोला, चिक्कनंदिहाला, बयालीहाला, कोराडागेरी, थलुवागेरी, हिरेनांदिहाला, कलालाबंदी, चालिगेरी, जलाकट्टे, जुंजालकोप्पा, मदिकेरी, होसाहल्ली, मलकापुरा, हुलसागेरी, मुधोथाग्गी, मियापुरा, हनुमासागर, मानेराला, हनुमागिरी, देवलपुरा, सेबिनाकट्टे, हुलगेरी, अंतराटन, हुचानुरा, हूनमत्ती, पूर्वगेरी, बंदरगल्ला	कुश्तगी	कोप्पल
बालाकुंडा, संकल्लापुरा, हिरेउपनाला, इलाकल्ला	इलकल	बागलकोट
अमरावती, चित्तावदागी, वीरपुरा, चिक्कबधावडागी, यादिहल्ली, नागुरा, बन्निहट्टी, हिरेबाधावाड़ी, बेविनमत्ती, हुनगुंधा, थिम्मापुरा, गंगुरा, चित्तरागी, किरासुरा, हदगली, इद्दलागे, मैदानपुरा, बसानालाकोप्पा, बेलागल्ला, हुवनुरा, नंदनुरा, गंजिहाला, खाजगल्ला, केंगलाकादपट्टी, ओरगोडाधिन्नी, संगमा, जदाकमलाधिन्नी, ओलाकलाधिन्नी, बिसलधिन्नी, कटागुरा, थुराडागी	हुंगुंड	बागलकोट
हंडारागल्ला, हिरेम्यगेरी, चिक्कम्यागेरी, बोम्मनगी, देवनाला, मनकानी, देवलपुरा, चिताकिनकोप्पा, मुधाविनकोप्पा, नयनागालु, सुधागुंडारा	बागलकोट	बागलकोट
कलगी, मुधुरा, हुल्लूरा	मुद्देबिहाला	बीजापुर (विजयपुरा)
बालाबट्टे, बुधिहाला पी एन, कर्निकुंटे, मसुथी, येलागुर, वडवडागी, काटापुरा, मुद्धापुरा, जीरालभावी, इटागी, अरेशंकरा, निदागुंधी, गोनाला, देवलपुरा, किरश्याला, वंधला, अब्बीहाल, हेब्बल, उन्नीभावी, बीरालाधिन्नी, बुधानी, मुकार्थीहला, गोलासंकी	निदागुंडी	बीजापुर (विजयपुरा)
हंगरगी, उप्पलाधिन्नी, मानुरा, नागवाड़ा, टक्कलकी, यारानाला, मनागोली, बसावन बागेबाड़ी, मुत्तागी	बसवनाबागेवाड़ी	बीजापुर (विजयपुरा)
थलावाड़ा, कुदागी	कोलहरा	बीजापुर (विजयपुरा)

मार्ग सरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। इसके द्वारा जनता को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख **22.02.2024** से दो महीने के भीतर प्रस्तावित ट्रांसमिशन सिस्टम पर अपना अवलोकन/अभ्यावेदन लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में भेजें। अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें।

एसवीएस सत्यनारायण, सीनियर जीएम-प्रोजेक्ट प्रभारी, कोप्पल-द्वितीय गदग-द्वितीय ट्रांसमिशन लिमिटेड, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, दक्षिणी क्षेत्र-द्वितीय आरएचक्यू, आरटीओ ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के पास, सिंगानायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलूरु - 64. फ़ोन 080-23093700. **ईमेल: sr2pkgtl@powergrid.in**

(एसवीएस सत्यनारायण)

SR-II/PR-12/2023-24/KGPBN/VAPL

मंकी फीवर से महिला की मौत

उत्तर कन्नड़/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार को मंकी फीवर के नाम से मशहूर क्यासानूर फॉरेस्ट डिजीज (केएफडी) से 65 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। यह जिले में मंकी फीवर से होने वाली पहली मौत है। स्वास्थ्य अधिकारी इसे लेकर चिंतित हैं क्योंकि प्रभावी टीकाकरण अभी तक उपलब्ध नहीं है। सिद्दापुर कस्बे के निकट जिद्दी गांव की रहने वाली महिला की हालत बुधवार को गंभीर हो गई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने हाल ही में तीन जिलों के विधायकों और अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की थी, जहां बीमारी के प्रकोप के कारण स्थिति चिंताजनक हो गई है। राज्य में मंकी फीवर के 103 सक्रिय मामले हैं। अब तक दो मौतें हुई हैं, जिनमें से एक-एक चिक्कमगलुरु और शिवमोग्गा जिलों में है। राज्य सरकार ने प्रभावी टीकाकरण के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के साथ बातचीत की है और अधिकारियों को जल्द ही टीकाकरण होने की उम्मीद है।

भाजपा-जेडीएस से डर कर क्या कांग्रेस करेगी रिसोर्ट राजनीति?

राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस असमंजस की स्थिति में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यसभा (रास) चुनाव को लेकर राज्य में ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। राज्यसभा के लिए चार उम्मीदवार का चयन होना है पर मैदान में उम्मीदवार पांच है। अटकलें लगाई जा रही है कि राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी के सभी विधायकों को शहर के बाहरी इलाके में एक लक्जरी रिसॉर्ट में स्थानांतरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधानसभा की चार राज्यसभा सीटों के लिए कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे तीन उम्मीदवारों की जीत के लिए पार्टी विधायकों को रिसॉर्ट में रखने का फैसला किया है। गुरुवार को जद (एस) के प्रदेशाध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात और चर्चा के बाद कांग्रेस इस निर्णय पर पहुंची।

वैसे भाजपा और जद (एस) को एहसास है कि वे इतने मजबूत नहीं है कि दूसरे उम्मीदवार को जीता सकें। लेकिन उसके बाद भी दूसरा उम्मीदवार खड़ा करके और क्रॉस वोटिंग करके दो सीटें जीतने की योजना बना रहे हैं।

विधानसभा का मौजूदा बजट सत्र 24 को खत्म हो जाएगा और शुक्रवार शाम से ही विधायकों को रोकने की बात चल रही है। सत्र समाप्ति के बाद सभी विधायकों को शहर के बाहर आलीशान रिसोर्ट में शिफ्ट किया जा सकता है। वहीं वरिष्ठ विधायकों ने सलाह दी है कि सत्र खत्म होने के बाद विधायकों को अपने गृहनगर जाना चाहिए और सोमवार को पार्टी विधायकों और नेताओं की बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए।

लेकिन सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के अनुसार कांग्रेस कार्यालय में बैठक के बाद सभी विधायकों को रिसॉर्ट ले जाया जाएगा, रात भर वहीं रुकेंगे और अगले दिन 27 फरवरी की सुबह मतदान केंद्र पर लाया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया बैठक में भाग नहीं ले रहे हैं। उपमुख्यमंत्री जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, बैठक करेंगे और विधायकों को अपने नेतृत्व में रिसॉर्ट में ले जाएंगे। रिसॉर्ट में ही वे न सिर्फ इस बात का व्हिप देंगे कि किस विधायक को उनकी पार्टी के किस उम्मीदवार को वोट देना है, बल्कि एक सैंपल बैलेट पेपर भी देंगे और प्रक्रिया को समझाएंगे।

प्रत्येक उम्मीदवारों को जीतने के लिए पार्टी के कम से कम 45 वोटों की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि वहीं कांग्रेस अपने तीन उम्मीदवारों को 46-46 वोट दिलवाना चाहती है। जिसके लिए उसे रिसोर्ट राजनीति के सहारे तीन अलग अलग समूहों में विधायकों को मतदान केन्द्र तक पहुंचाना होगा। कांग्रेस के तीनों उम्मीदवारों की जीत के लिए कांग्रेस पर स्पष्ट संख्या बल है। भाजपा अपने उम्मीदवार की जीत के लिए 45 वोट देने के बाद बाकी 21 वोट एनडीए ग्रुप के जेडीएस उम्मीदवार कुपेंद्र रेड्डी को देंगी। जेडीएस के 19 वोट और भाजपा के 21 वोट मिलाकर 40 वोट हो जाएंगे। कुपेंद्र रेड्डी को जीत के लिए पांच और वोटों की जरूरत पड़ेगी जिसे पूरा करने के लिए भाजपा और जनता दल एस निर्दलीय सदस्यों के अलावा कांग्रेस के विधायकों से भी सम्पर्क करेगी।

चुनाव के संबंध में कुमारस्वामी के साथ अमित शाह की चर्चा के मद्देनजर कांग्रेस ने 'रिसोर्ट राजनीति' का सहारा ले सकती है यह इस बात की ओर संकेत दे रहा है कि भाजपा-जद(एस) संयुक्त रूप से उनके विधायकों को आकर्षित कर सकते हैं। मौजूदा विधानसभा में कांग्रेस के पास 135 विधायक, वहीं भाजपा के पास 66, जद (एस) के पास 19 विधायक हैं और 4 विधायक अन्य शामिल हैं।

अंगदान से जुड़ी भ्रांतियां दूर करने के लिए जागरूकता फैलाई जाए : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने रक्तदान, अंगदान और देहदान के लिए लोगों को प्रेरित करने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया है। मिश्र ने बृहस्पतिवार को राजभवन में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में संबोधित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नवगठित जिलों में रेडक्रॉस शाखाओं का तेजी से विस्तार किया जाए। आधिकारिक बयान के अनुसार बैठक में राज्यपाल ने जिला कलेक्टरों द्वारा रेडक्रॉस जिला शाखाओं में सदस्यों की संख्या बढ़ाए जाने, सर्वीकल कैंसर और अन्य रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, आदिवासी क्षेत्रों में रेडक्रॉस गतिविधियों के लिए विशेष प्रयास करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने रक्तदान, अंगदान और देहदान के लिए लोगों को प्रेरित करने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने को लेकर जागरुकता फैलाने का आह्वान भी किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में जिन रेडक्रॉस शाखाओं के भवन नहीं हैं, वहां जिला कलेक्टर स्तर पर भूमि आवंटन की कार्यवाही भी त्वरित की जाए। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों को एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण देने के साथ सामाजिक सेवाओं के लिए प्रेरित किए जाने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने रेडक्रॉस टाइम्स न्यूज लेटर का भी लोकार्पण किया। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने रेड क्रॉस की सामाजिक गतिविधियां और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की, मोदी ने नेताओं को बदलने के लिये मजबूर कर दिया : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार के आधार पर राजनीतिकरती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद उन राजनीतिक नेताओं और पार्टियों को भी बदलने के लिये मजबूर कर दिया। शर्मा बाड़मेर के गुढ़ामालानी में आलपुरा स्थित आलमजी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति करती थी .. 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक नेताओं और पार्टियों को बदलने के लिये मजबूर कर दिया। मुख्यमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को अस्वीकार करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शर्मा ने कहा, यहां तक कि भगवान राम भी जानते हैं कि किसे बुलाना है और किसे नहीं।

चुनाव से पहले योजनाओं और गारंटियों की घोषणा करने के लिए राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए शर्मा ने कहा, वे गारंटी दे रहे थे जबकि उनके पास खुद की कोई गारंटी नहीं थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने पिछले वादे पूरे नहीं किए लेकिन चुनाव से कुछ महीने पहले उसने झूठे वादे और गारंटी देना शुरू कर दिया। शर्मा ने कहा कि 'मोदी की गारंटी' ही एकमात्र गारंटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव के दौरान जनता से किये गये वादों को पूरा करना शुरू कर दिया है तथा उसने पेपर लीक मामलों की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया है और राज्य में एक जनवरी से 73 लाख महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर गुंडों और गैंगस्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में लगातार विफल रहने का भी आरोप लगाया है।

शर्मा ने कहा कि इस वर्ष के बजट (लेखानुदान) में गोविन्द देव जी, पूंछरी का लौठा, तेजाजी का मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों के सौन्दर्यीकरण के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा , हम युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। नकल माफिया को नेपाल से पकड़कर लाएं हैं। हमारी सरकार ने भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई की है। एंटी गैंगस्टर फोर्स तेजी से काम कर रही है। हमने जेल से गैंग चलाने वालों पर शिकंजा कसा है।

उन्होंने कहा,युवा देश का भविष्य होता है.. युवा के मन में तड़प होती है.. युवा के मन में कुछ करने का जज्बा होता है.. उस जज्बा को कम करने का अगर किसी ने काम किया है तो उसको किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हम सभी का दायित्व है कि हम हर व्यक्ति को प्रधानमंत्री की हर योजनाओं से जोड़ने का काम करें।

शर्मा ने बाड़मेर दौरे के तहत जिला परिषद सभागार में सीमावर्ती ग्राम पंचायतों के सरपंचों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक को भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था के तहत प्रत्येक गांव का मूलभूत विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सीमावर्ती 49 ग्राम पंचायतों के विकास के संबंध में जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि विकास की जरूरतों को सूचीबद्ध कर रिपोर्ट तैयार करें और समय-समय पर इनकी निगरानी करें। उन्होंने जिला कलेक्टर को इस कार्य के लिए अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए।

चालक को आया हार्ट अटैक, शोभायात्रा में घुसी बेकाबू गाड़ी, कई को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर । राजस्थान के नागौर जिले में बोलेरो चला रहे चालक को हार्ट अटैक आ गए। इससे बेकाबू गाड़ी आगे चल रही विश्वकर्मा भगवान की शोभायात्रा में घुस गई। बेकाबू बोलेरों ने सात-आठ लोगों को कुचल दिया। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, बोलेरो चला रहे चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार सुबह करीब 11 बजे डेगाना कस्बे के मुख्य बाजार में हुआ। यहां जांगिड़ समाज की ओर से विश्वकर्मा भगवान की शोभायात्रा निकाली जा रही थी। करवा गली के पास शोभा यात्रा में शामिल लोग चल रहे थे और उनके पीछे धीरे-धीरे एक बोलेरो चल रही थी। इस दौरान बोलेरो चला रहे ड्राइवर ईसान खान (60) को हार्ट अटैक गया। जिससे वह बोलेरो पर नियंत्रण खो बैठा और बेकाबू बोलेरो शोभा यात्रा में चल रहे लोगों को कुचलते हुए सड़क किनारे लगे ठेलों से टकरा गई।

बताया जा रहा है कि हादसे में चाल लोगों को ज्याद चोटें आईं हैं। जिनमें से दो को अजमेर और दो को नागौर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं, बोलेरो चालक की हार्ट अटैक के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसे में हरिराम (78) निवासी अलतवा और देवकरण (65) निवासी पुंदलोता गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अजमेर रेफर किया गया है।

मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार बोलेरो धीरे-धीरे शोभायात्रा के पीछे चल रही थी। अचानक, वह लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ने लगी। कुद देर तक लोगों को कुछ समझ ही नहीं। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तत्काल एंबुलेंस को बुलाकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भाजपा कार्यकर्ता आगामी लोकसभा चुनाव में 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने का लक्ष्य तय करे : चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा है कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पिछले चुनाव की तुलना में 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने का लक्ष्य तय करे। झुंझुनू लोकसभा चुनाव के प्रभारी चतुर्वेदी गुरुवार को यहां भाजपा लोकसभा प्रबंधन समिति एवं कोर कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा की प्रत्येक निवार्चन क्षेत्र के हर मंडल के बूथ स्तर तक, बूथ समिति, पन्ना प्रमुख एवं पेज प्रमुख की नियुक्तियां संपूर्ण करने सहित नव मतदाता अभियान, केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर लाभार्थी तक पहुंचाने, शक्ति वंदन कार्यक्रम से महिलाओं को जोड़ने और प्रभावशाली व्यक्तियों को पार्टी में शामिल करने के लिए कार्य करने को कहा है।

गोकशी में लिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा : बालक नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। पूर्व सांसद एवं तिजारा विधायक महंत बालकनाथ ने कहा कि गोकशी और गौ तस्करी में लिप्त किसी भी आरोपी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। महंत बालकनाथ ने गुरुवार को

किशनगढ़ बास में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किशनगढ़ बास में बीफ मंडी लगने का मामला उजागर होने के बाद से जहां पुलिस और प्रशासन की ओर से आरोपियों पर शिकंजा कसा जा रहा है और सिवायचक सरकारी जमीन पर आरोपियों द्वारा कब्जा कर हो रही खेती, मकान और अवैध बिजली पोल कनेक्शन को लेकर अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाने की लगातार ताबड़ तोड़ संयुक्त कार्रवाई की गई हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज के दौरान गौ तस्करों के हौसले लगातार बुलंद रहे हैं। उच्च अधिकारियों से बात कर इस कृत्य में लिप्त सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलवाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संरक्षण के बगैर यह संभव नहीं हो सकता, इसमें जो भी व्यक्ति दोषी होगा उसे कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी।

महंत ने कहा कि जहां गौकशी होती थी उस क्षेत्र को भी पुलिस और प्रशासन ने कब्जा मुक्त करा दिया है। ऐसी घटनाओं की पुनरावर्ती ना हो इसके भी पुख्ता इंतजाम कर दिए है। अगर कही भी कोई अपराध होता है तो आमजन भी इसकी सूचना पुलिस को दे, तभी सुशासन संभव है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल ने बताया कि किशनगढ़बास के बृसंगपुर बीहड़ के रुंध गिड़ावड़े में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को हटा दिया गया है। वहां एक चौकी स्थापित की जा रही है। जिस पर पुलिस का स्टाफ भी लगातार मौजूद रहेगा। मामले में 22 लोगों को चिन्हित किया गया था, जिनमें से नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

शेष बचे आरोपियों को भी पुलिस की टीम जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी। इसको लेकर पुलिस की छह विशेष टीमें गठित की गई है, जो की लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। इससे पूर्व महंत ने यहां पहुंचकर थाने किशनगढ़बास के बृसंगपुर बीहड़ के रुंध गिदावड़े की मौका स्थिति और गो कशी और गौतस्करी में लिप्त आरोपियों के बारे में पूरी जानकारी जुटाकर शेष आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिस टीम की मामले में प्रगति रिपोर्ट जानी।

जयपुर में अब केवल 99 रुपये में लग्जरी होटल में ठहरा जा सकेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटक, नौकरी के लिए परीक्षा देने आने वाले अभ्यर्थी, बैठक एवं जरुरी काम से कुछ समय के लिए ठहरने की आवश्यकता वाले लोगों के लिए ऑवरली होटल डील्स ने सस्ता एवं समय के हिसाब से होटल उपलब्ध कराने की राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी गुरुवार को शुरुआत कर दी। ऑवरली होटल डील्स के संस्थापक हेमेंद्र पाठक ने होटल ट्यूलिप रेजेंसी में प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अब जयपुर में केवल 99 रुपए प्रति घंटा के हिसाब से लग्जरी होटल मिल सकेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा डिजिटल इंडिया के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उनका आभार जताते हुए बताया कि स्टार्टअप इंडिया के तहत ही उन्होंने अपने स्टार्टअप का पंजीयन कराकर इसे शुरू किया है।

उन्होंने बताया कि किसी को कम समय के लिए होटल की आवश्यकता होने पर उन्हें अब होटल चौबीस घंटे के लिए बुक कराने की जरुरत नहीं होगी और नहीं उसे पूरे दिन का पैसे देने की आवश्यकता होगी तथा इसमें होटल में चैक आउट एवं चैक इन की समस्या भी नहीं झेलनी पड़ेगी। पाठक ने बताया प्रतियोगी परीक्षा देने आने वाले युवकों, जरुरी काम, बैठक सहित एक दो घंटे के लिए होटल की जरुरत वाले लोगों की समस्या के मद्देनजर इस समस्या के निस्तारण के लिए यह विकल्प चुना गया हैं और इसके प्रति अब धीरे धीरे लोगों का रुझान भी बढ़ने लगा हैं।

उन्होंने बताया कि ऑवरली होटल डील्स तीन महीने पहले ही उदयपुर में शुरुआत हुई और इसके बाद अब जयपुर में इसकी शुरुआत की गई। जयपुर में चार होटलों में अभी टाइअप किया गया है जिनमें किंग्स रोड़ पर ट्यूलिप रेजीडेंसी, विधानसभा के पास होटल कनेक्ट, सांगानेट टॉक रोड पर होटल होम वुड स्वीट तथा जगतपुरा में होटल टाउन हाउस शामिल हैं। ये चारों होटल ऑवरली बुकिंग दे रहे हैं। पाठक ने बताया कि जयपुर के बाद छह शहरों में भी इसकी शुरुआत होगी। जयपुर के बाद भीलवाड़ा, अजमेर, अहमदाबाद और गोवा में इसकी शुरुआत होगी। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप को निवेशक भी मिलने लगे हैं और गुजरात में राजकोट के संजय भट्ट ने पहले चरण में एक करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस अवसर पर भट्ट ने ऑवरली होटल डील्स को अद्वितीय बताया हैं।

स्वागत

जयपुर में गुरुवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी।

बीकानेर जिले में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में 14 साल की लड़की से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार को देशनोक थाने के एक गांव हुई जब परीक्षा देकर घर लौट रही लड़की को तीन लोगों ने खींचकर एक कार में बिठा लिया और नशीला पेय पदार्थ पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई।

शिकायत के अनुसार वे लड़की को एक सुनसान जगह पर ले गए और उससे सामूहिक दुष्कर्म किया, बाद में उसे गांव के पास एक चौराहे पर छोड़ दिया, एक रिश्तेदार ने उसे घायल हालत में पड़ा देखा और उसे घर ले गया। पीड़िता ने आपबीती परिवार के साथ साझा की, जिन्होंने पुलिस में शिकायत की।

देशनोक की थानाधिकारी सुमन शेखावत ने बताया, तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पीड़ित लड़की का बयान दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच नोखा क्षेत्राधिकारी को सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान रेवत राम, ओम प्रकाश डूडी और लीलाधर गोदारा के रूप में हुई है, तीनों आरोपी और पीड़िता एक ही गांव में रहते थे और हाल ही में दूसरे गांव में चले गए थे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए लोगों की परिवेदनाएं सुनीं एवं ज्ञापन लिए और अधिकारियों को इनके शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देश दिए। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से चिकित्सा मंत्री आत्मीयता के साथ मिले और उनकी परिवेदनाओं पर शीघ्र कार्यवाही कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि आयुष्मान राजस्थान के संकल्प के साथ प्रदेष में चिकित्सा सेवाओं को निरंतर सुगम और सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

राज्य सरकार गरीब, महिला, युवा एवं किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार का प्रयास है कि हर वर्ग और हर क्षेत्र का समग्र विकास हो और आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण हो।

खाद्य इकाई लगाने के लिए मिलेगा 90 प्रतिशत तक का ऋण : गौलरिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को पंत कृषि भवन में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई.) की बैठक राज्य के प्रमुख बैंकों के स्टेट हैड के साथ आयोजित की गई। प्रमुख शासन सचिव द्वारा बैंक अधिकारियों को इस योजना के प्रति संवेदनशील रहते हुए योजना के लक्ष्य अर्जित करने के लिए निर्देशित किया गया।

उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य खाद्य से सम्बन्धित योजना में अनुदान प्रदान कर इकाईयों को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि आटा मील, दाल मील, प्रोसेसिंग यूनिट, ग्रेडिंग क्लिनिंग यूनिट, आचार व पापड़ के उद्योग, दूध व खाद्य पदार्थो से सम्बन्धित इकाईयों के लिए इस योजना में अनुदान दिया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बैंकों द्वारा छोटे व मंझले खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों को अधिक से अधिक किस प्रकार लाभान्वित करवाया जा सकता हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में योजना को जन-जन तक पहुंचाने एवं आवेदकों की सहायता हेतु हैल्पलाईन नम्बर 9829026990 कार्यरत है। योजना में आवेदनों की संख्या बढ़ाने की दृष्टि से रोलिंग प्रक्रिया के द्वारा अधिक से अधिक डिस्टिक रिसोर्स पर्सन सूचीबद्ध किये जा रहे हैं। सामान्य प्रक्रिया के तहत डिस्टिक रिसोर्स पर्सन के लिए आवेदन पत्र पी.एम.एफ.एम.ई. राजस्थान पोर्टल पर उपलब्ध है।

शुभ्रा सिंह ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए दिए दिशा-निर्देश

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने मौसम में परिवर्तन के कारण संक्रमण एवं वायरल के केसेज बढ़ने के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को मौसमी बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जनसामान्य से अपील की है कि वे सामान्य प्रयासों के माध्यम से मौसम परिवर्तन के कारण होने वाले रोगों से बचें तथा वायरल या संक्रमण के लक्षण होने पर यथाशीघ्र नजदीकी चिकित्सा केन्द्र पर जाकर परामर्श एवं उपचार लें।

समीक्षा के दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि आमतौर पर सर्दी के मौसम में तापमान कम होने एवं मौसम परिवर्तन के समय तापमान परिवर्तन के कारण संक्रमण विशेषकर वायरल रोगों की अधिकता रहती है। वर्तमान समय में तापमान, आर्द्रता एवं सामान्य व्यवहार के दृष्टिगत संक्रामक या वायरल रोग अधिक होते हैं। समय रहते बचाव व नियंत्रण के उपाय अपनाकर इन रोगों के प्रसार को कम किया जा सकता है और व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। साथ ही उपचार की स्थिति में पहुचने से भी बचा जा सकता है। बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती एवं गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को इस समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहती है ताकि वे वायरल और संक्रमण से बच सकें।

राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर कमल खिलेगा : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य में भारतीय जनता पार्टी एकतरफा जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा, राजस्थान की सभी 25 सीटों पर कमल खिलेगा। भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनाव के समय नहीं बल्कि पूरे वर्ष 365 दिन काम करने वाली पार्टी है। शेखावत ने कहा कि भाजपा सामाजिक सरोकार से लेकर सभी राजनीतिक मुद्दों पर समाज को जागरूक करने का काम करती है।

कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए शेखावत ने कहा कि जिस तरह दूसरी पार्टियों के नेताओं की भाजपा में आने की भगदड़ मची हुई है, उससे स्पष्ट होता है कि भाजपा किस तरफ जा रही है।

'विकसित देश-प्रदेश के लिए निवेश आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि विकसित भारत बनाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के इस संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश को विकसित बनाना होगा और इसके लिए गोरखपुर को विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित देश, प्रदेश और जनपद के इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए औद्योगिक निवेश भी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र की 1,040 करोड़ रुपए की 20 परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर उन्होंने गीडा की 650 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली कालेसर आवासीय टाउनशिप योजना की शुरुआत की और 300 करोड़ रुपए के निवेश वाली एसडी इंटरनेशनल की प्लास्टिक रिसाइक्लिंग एवं फूड पैकेजिंग कंटेनर यूनिट का शिलान्यास तथा 90 करोड़ रुपए के 18 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) के स्किल ट्रेनिंग सेंटर के पांच छात्रों को नामांकन प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, औद्योगिक विकास और रोजगार के क्षेत्र में जो परिणाम दिख रहा है, वह बेहतर कानून व्यवस्था, अच्छी सरकार और अच्छे जनप्रतिनिधियों के चुने जाने का परिणाम है। जब नीयत अच्छी होती है तो परिणाम भी अच्छे आते हैं। आज गीडा नई ऊंचाइयों को छू रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। तब लखनऊ जाने के लिए दो रूट हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के साथ ही मोदी जी ने हर जरूरतमंद व्यक्ति के लिए आवास की घोषणा की थी, देश में अब तक चार करोड़ गरीबों को पक्की छत की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है, उत्तर प्रदेश में 56 लाख गरीबों को मकान दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अपना पैसा देकर जो लोग आवास पाने के इच्छुक हैं, उनके लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण के साथ ही गीडा ने भी आगे कदम बढ़ाए हैं।

बहुत 'डायनेमिक' मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वह बहुत ही 'डायनेमिक' मुख्यमंत्री हैं। सीतारमण आयकर विभाग के नए भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार को पहली बार गोरखपुर पहुंची थीं।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने मुख्यमंत्री के लिए कहे गए डायनेमिक शब्द का अर्थ भी बताया। उन्होंने कहा, प्रदेश में 75 जिले हैं और एक साल में 52 सप्ताह होते हैं, योगी जी साल भर में प्रत्येक जिले का कम से कम एक बार दौरा जरूर कर लेते हैं। कुछ जिलों में यह संख्या ज्यादा होती है। एक साल में 52 सप्ताह और 75 जिले में कम से कम एक बार जाने वाले मुख्यमंत्री योगी जी हैं। उन्होंने कहा, वह इंजन की तरह प्रदेश में घूम घूमकर काम करते हैं। हर जिला उनके लिए हेडक्वार्टर (मुख्यालय) है। उनसे लखनऊ में समय मांगना ठीक नहीं है। उस दिन, उस वह सप्ताह कहां होंगे, उधर जाना ही बेहतर होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बार बार यह साबित कर रही है कि जिसका शिलान्यास होगा, उसका उद्घाटन भी होगा, सभी परियोजनाओं के पूरा होने की गारंटी ही मोदी जी की गारंटी है। उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करने के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश की चार प्रमुख परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने बताया कि गोरखपुर के खाद कारखाना और एम्स का शिलान्यास जुलाई 2016 में किया गया और दिसंबर 2021 में इन सभी का लोकार्पण भी हुआ।

ओडिशा में जंगली हाथियों पर लगाए जा रहे रेडियो कॉलर

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा वन विभाग ने अंगुल जिले में एक जंगली हाथी पर सफलतापूर्वक रेडियो कॉलर लगाया जिससे उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने और निगरानी करने में मदद मिलेगी। वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अंगुल वन विभाग में छेंदीपाड़ा रेंज के छेंदीपाड़ा जगंल (सपियोसाही) में घायल नर हाथी मिला था। 14 फरवरी से उसके स्वास्थ्य की निगरानी की गई और पशु चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक उसका इलाज किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव सुशांत नंदा ने बताया कि हाथी को जंगल में छोड़ने से पहले, बेहोश कर उस पर रेडियो कॉलर लगाया गया। इलाज के बाद यह हाथी की गतिविधियों और उसके व्यवहार पर नजर रखने में मदद करेगा।

सपा और कांग्रेस का गठबंधन परिवारवादी और स्वार्थी लोगों का गठजोड़ : भूपेंद्र चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस का गठबंधन एक परिवारवादी व स्वार्थी लोगों का गठबंधन है जबकि जनता का गठबंधन मोदी जी के साथ है।

चौधरी आज अमेठी में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी के गृह प्रवेश कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा,'' कांग्रेस और सपा का गठबंधन परिवार वादी है, यह स्वार्थी लोगों का गठबंधन है जबकि जनता का गठबंधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ है। उन्होंने कहा, देश की जनता मोदी जी के साथ है, देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के साथ है और मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रही है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर गठबंधन हुआ है।

चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है, आप सब ने देखा कि स्मृति ईरानी ने अमेठी में घर बनाने का वादा किया था, जिसे पूरा करके दिखाया है आज हम भी उसी गृह प्रवेश कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने 2019 के चुनाव में अमेठी में वादा किया था यदि जनता ने उन्हें मौका दिया तो अमेठी में अपना घर बनाएंगी।

ममता बनर्जी यह सुनिश्चित करें कि पश्चिम बंगाल में मीडिया का दमन न हो : ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल में एक टेलीविजन चैनल के पत्रकार की गिरफ्तारी पर बृहस्पतिवार को गंभीर आपत्ति जताई और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि राज्य में मीडिया का दमन नहीं हो। यहां संवाददाता सम्मेलन में ठाकुर ने पत्रकार की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा, मेरा ममता बनर्जी से अनुरोध है कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। ठाकुर ने कहा, प्रेस की स्वतंत्रता मीडिया का अधिकार है और इसे कुचला नहीं जाना चाहिए। ये मेरी ममता बनर्जी से अपील है। रिपब्लिक बांग्ला चैनल के पत्रकार शांतु पान को सोमवार को संदेशखालि से गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित संदेशखालि में तनाव व्याप्त है जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और उसके समर्थकों पर जमीन पर कब्जा करने और बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम पांच जनवरी को राशन घोटाले के सिलसिले में छापेमारी करने शाहजहां शेख के आवास पर गई थी। ईडी की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया था। इसके बाद से शाहजहां फरार है।

जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके लोकतंत्र पर कब्जा कर रही है सरकार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के माध्यम से लोकतंत्र पर कब्जा करने का आरोप लगाया और दावा किया कि सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों की छापेमारी के बाद 30 कंपनियों ने भाजपा को भारी रकम चंदे के रूप में दी है।

कांग्रेस ने उस खबर का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा जिसमें दावा किया गया है कि 30 कंपनियों ने उनके खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद भाजपा को 335 करोड़ रुपए का चंदा दिया। इसमें यह भी कहा गया है कि इनमें से 23 कंपनियों ने 2014 से छापे के वर्ष के बीच भाजपा को कोई चंदा नहीं दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक निरंकुश मोदी सरकार जबरन वसूली और वित्तीय आतंकवाद के माध्यम से लोकतंत्र पर कब्जा कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग के छापे की बदौलत कम से कम 30 कंपनियों से चंदा प्राप्त किया। खरगे ने दावा भी किया कि खबरों से यह भी पता चलता है कि इनमें से कुछ कंपनियों ने छापेमारी के बाद के कुछ महीनों में भाजपा को भारी रकम दी। एक तरफ मोदी सरकार कांग्रेस पार्टी को मेहनत की कमाई से मिले चंदे को चुराना चाहती है और दूसरी तरफ चुनावी चंदे का बड़ा हिस्सा हड़पने के लिए ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग के माध्यम से कॉरपोरेट कंपनियों को धमकाती है!''

हम कलम बांटते हैं, भाजपा तलवार बांटती है : तेजस्वी

सीवान/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर लोगों के बीच ''तलवारें बांटने'' का आरोप लगाया और कहा कि ''हम आपके हाथों में कलम देना चाहते हैं। यादव ने अपनी राज्यव्यापी ''जन विश्वास यात्रा'' के तहत सीवान जिले में एक रैली में यह टिप्पणी की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महागठबंधन से अलग होकर पुराने सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ सरकार बनाने के कारण राजद को सत्ता खोनी पड़ी। राजद के युवा नेता यादव ने आरोप लगाया, हम आपको कलम पकड़ाने का काम कर रहे हैं, लेकिन भाजपा तलवारें बांटने व जहर बोने का काम करती है। उन्होंने कहा, मैं उस पृष्ठभूमि से आता हूं जहां धर्म को उचित स्थान दिया गया है। हमारे घर में एक मंदिर है जहां हम नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं। लेकिन हम यह भी जानते हैं कि अगर हम लोगों के हितों के खिलाफ काम करते हैं, तो पापों से मुक्ति के लिए किसी भी मंदिर में जाने और पवित्र डुबकी लगाने का कोई फायदा नहीं। सीवान पहुंचे यादव पड़ोसी जिले सारण के लिए रवाना होने तक वहां यहां रुके। सीवान में उन्होंने राजद के पूर्व सांसद दिवंगत शहाबुद्दीन की पत्नी हिना से मुलाकात नहीं की।

एनसीएसटी आयोग ने संदेशखालि का किया दौरा, जमीन कब्जाने और उत्पीड़न की मिली 23 शिकायतें

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की टीम बृहस्पतिवार की सुबह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित संदेशखालि पहुंची। टीम को इस दौरान स्थानीय लोगों से जबरन जमीन पर कब्जा करने और उत्पीड़न की कुल 23 शिकायतें मिली हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के मुताबिक, एनसीएसटी के कार्यकारी अध्यक्ष अनंत नायक ने बताया कि उन्हें एक नेता के खिलाफ शिकायत मिली है, जिसे राष्ट्रपति को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। नायक ने बताया, उन्होंने (संदेशखालि के निवासियों ने) एक नेता का नाम लिया है। हम उसे रिपोर्ट में शामिल करेंगे। हमें अबतक 23 से अधिक शिकायतें मिली हैं। हम इसका (प्राप्त तथ्यों का) जमीनी रिपोर्ट से मिलान करेंगे और उसके बाद राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपेंगे। एनसीएसटी का दौरा राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्यों के दौरे के कुछ दिनों बाद हो रहा है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने क्षेत्र में जारी हिंसा तथा मानवाधिकार उल्लंघन के संबंध में बुधवार को राज्य सरकार और पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया था।

संदेशखालि में न्याय की मांग लेकर सड़कों पर उतरे स्थानीय लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना के विवादों में आए संदेशखालि के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार दोपहर को नए सिरे से विरोध प्रदर्शन हुआ जिसमें गुस्साए स्थानीय लोग महिलाओं के यौन शोषण और इलाके में जबरन जमीन हड़पने के आरोपी स्थानीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं के खिलाफ सड़कों पर उतर आए।

प्रदर्शनकारियों के हाथ में लाठी थी और उन्होंने रसूखदार तृणमूल नेता शाहजहां शेख और उनके भाई सिराज के खिलाफ अपना गुस्सा निकालते हुए एक तालाब के पास स्थित एक फूस की झोपड़ी में आग लगा दी। यह पता चला कि जलाई गई झोपड़ी सिराज की थी।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, सिराज और उसके भाई शाहजहां ने हमारी जमीन हड़प ली है। उन्होंने हमारा शोषण किया।। हम न्याय और हमारी जमीन वापस दिलाने की मांग करते हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार ने क्षेत्र के अपने दौरे के समय गलत काम करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किया गया और अधिकारियों ने स्थानीय लोगों की सहायता करने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों ने उनकी शिकायतें और दस्तावेज प्रस्तुत करने का आग्रह किया। पुलिस के अधिकारी को निवासियों से कहते हुए सुना गया, कृपया अपनी शिकायतें सामने लाएं और हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। यदि आपके पास कोई प्रासंगिक दस्तावेज हैं तो उन्हें हमारे सामने पेश करें। आप निश्चिंत रहें आपकी जमीन वापस कर दी जाएगी। कुमार ने संदेशखालि में प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को दूर करने के लिए पुलिस बल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़े कदम उठाने का संकल्प लिया।

शाही ईदगाह मामले में अगली सुनवाई आज

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद हटाने की मांग वाले वाद की पोषणीयता के संबंध में दायर याचिका पर अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगा। इस वाद में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर किया गया है। बृहस्पतिवार को इस मामले में सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने सुनवाई शुक्रवार को भी जारी रखने का आदेश दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुई वक्फ बोर्ड की अधिवक्ता तसलीमा अजीज अहमदी ने दलील दी कि यह वाद सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि वक्फ कानून के प्रावधानों और साथ ही उपासना स्थल अधिनियम, 1991 के तहत इस पर सुनवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जिस संपत्ति पर शाही ईदगाह मस्जिद है, वह संपत्ति वक्फ की है, मौजूदा विवाद वक्फ की संपत्ति से जुड़ा है और इस प्रकार इस मामले पर सुनवाई का अधिकार क्षेत्र केवल वक्फ अधिकरण के पास है जबकि दीवानी अदालत के पास इस मामले में सुनवाई का अधिकार क्षेत्र नहीं है।

किसानों के मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए : कांग्रेस

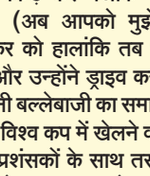

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार को किसानों से जुड़े उन मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए जिनकी वजह से किसान संगठन आंदोलन कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को ''बुलेट की गारंटी'' दे रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, किसान हमारे देश की रीढ़ हैं। अन्नदाताओं के दम पर ही हम हरित क्रांति और श्वेत क्रांति लाने में सक्षम हुए। इनकी मेहनत की वजह से ही कृषि के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बना। आज वही किसान जब एमएसपी की गारंटी मांग रहे हैं तब प्रधानमंत्री मोदी उन्हें 'बुलेट की गारंटी' दे रहे हैं। रमेश ने कहा, किसानों के ख़िलाफ़ आंसू गैस के गोले दागना और गोली चलाना अन्याय की पराकाष्ठा है। यह (सरकार) 'चंदादाताओं' का सम्मान और 'अन्नदाताओं' का अपमान कर रही है। कुछ ऐसा ही सलूक युवाओं के साथ हो रहा है। जब वे रोज़गार की मांग करते हैं तब उन पर लाठियां बरसाई जाती हैं। 'अग्निपथ' जैसी योजनाओं से उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है।

मजबूत घरेलू ढांचे के कारण शुरू में ही सफलता हासिल कर रहे हैं भारतीय युवा खिलाड़ी : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शुरू में ही सफलता हासिल की है और भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने इसका श्रेय देश के मजबूत घरेलू ढांचे को दिया। मुंबई के 22 वर्षीय जायसवाल ने अभी तक केवल छह टेस्ट मैच खेले हैं लेकिन उनके नाम पर दो दोहरे शतक दर्ज हैं। सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और दोनों पारियों में अर्धशतक जमाए।

राठौड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर कहा, यह टीम के लिए अच्छा है और उनके लिए भी बेहतर है। जब आप टेस्ट क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं तो दबाव होता है लेकिन अगर आपकी शुरुआत अच्छी रहती है तो इससे बेहतर और कुछ नहीं होता है। उन्होंने कहा,, टीम में जो युवा खिलाड़ी आए हैं उन्होंने अच्छी शुरुआत की है और यह अच्छा एहसास है। उनमें क्रिकेट की अच्छी समझ है जो बहुत अच्छा संकेत है। घरेलू क्रिकेट से यह बहुत अच्छा संदेश मिल रहा है कि नए खिलाड़ी क्रिकेट को लेकर अच्छी समझ रखते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला में विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं जबकि केएल राहुल भी एक मैच खेलने के बाद चोटिल होने के कारण बाहर हैं।

राठौड़ ने कहा, हमारा शुरू से ही मानना था कि हमारा घरेलू क्रिकेट काफी मजबूत है और जो भी खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आएगा वह अच्छा प्रदर्शन करके ही आएगा। मैं नहीं जानता कि जब केएल राहुल और विराट कोहली वापसी करेंगे तो तब क्या होगा। यह अभी चिंता का विषय नहीं है। भारतीय बल्लेबाजी कोच ने रजत पाटीदार का भी समर्थन किया जो अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

बुमराह की अनुपस्थिति में आकाश दीप को मिल सकती है 'टेस्ट कैप'

रांची/भाषा। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में मोहम्मद सिराज का साथ देने के लिए 'अनकैप्ड' तेज गेंदबाज आकाश दीप अंतिम एकादश में जगह बनाने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं क्योंकि उन्हें गुरुवार को यहां वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र में पसीना बहाते हुए देखा गया। इस 27 साल के दायें हाथ के तेज गेंदबाज ने बंगाल के साथी मुकेश कुमार के साथ बुधवार को नेट पर कड़ा गेंदबाजी अभ्यास किया और टेस्ट की पूर्व संध्या पर उन्होंने लंबे बल्लेबाजी सत्र में हिस्सा लिया।

तेंदुलकर ने कश्मीर में खेला गली क्रिकेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उरी में गली क्रिकेट खेल रहे युवाओं का तब आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब कोई और नहीं बल्कि दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर उनके साथ खेलने के लिए उतरे। पहली बार जम्मू कश्मीर के दौरे पर गए तेंदुलकर ने जब कुछ युवाओं को कार्डबोर्ड कार्टन और स्टंप के रूप में एक खाली तेल के डिब्बे के साथ सड़क पर क्रिकेट खेलते हुए देखा तो वह अपनी गाड़ी से नीचे उतर गए। तेंदुलकर ने एक्स पर पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसका शीर्षक उन्होंने ''क्रिकेट और कश्मीर: स्वर्ग में खेला गया मैच'' रखा है। इस वीडियो में उन्हें 9 गेंद खेलते हुए देखा जा सकता है जिसमें स्थानीय लोग बड़े कौतुहल के साथ उन्हें खेलते हुए देख रहे हैं।

इस वीडियो क्लिप में तेंदुलकर की पत्नी अंजलि को भी मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। इसके शुरू में तेंदुलकर लड़कों से कहते हैं, हम खेलें। कौन है तुम्हारा बॉलर। इसके बाद उन्होंने बल्ला हाथ में लिया। भूरे रंग की जैकेट पहने हुए तेंदुलकर ने 9 गेंद का सामना किया तथा इस बीच अपने पसंदीदा स्ट्रेट ड्राइव और एक स्कूप शॉट भी लगाए। तेंदुलकर ने 2013 में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तेंदुलकर ने पैडल स्वीप करने का भी प्रयास किया और इसके बाद उन्होंने बल्ला उल्टा पकड़ कर मजाक में कहा, ये आउट करना पड़ेगा। (अब आपको मुझे आउट करना पड़ेगा)। तेंदुलकर को हालांकि तब भी आउट नहीं किया जा सका और उन्होंने ड्राइव करके इस विशेष क्रिकेट मैच में अपनी बल्लेबाजी का समापन किया। भारत की तरफ से छह विश्व कप में खेलने वाले तेंदुलकर ने इसके बाद अपने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मेरा ध्यान आपके ऊपर है। तेंदुलकर पिछले सप्ताह कश्मीर दौरे पर पहुंचे थे।

सुविचार

जो बदला जा सके उसे बदलिये, जो बदला न जा सके उसे स्वीकारिये, और जो स्वीकारा ना जा सके, उससे दूर हो जाइए, लेकिन खुद को खुश रखिए, वह भी एक बड़ी जिम्मेदारी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हट रहे भ्रम के पर्दे

श्रीराम मंदिर के निर्माण और उसमें प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले कुछ 'बुद्धिजीवियों' द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब धीरे-धीरे ही सही, लेकिन सप्रमाण मिलते जा रहे हैं। उनकी ओर से 'तर्क' दिया जाता था कि 'मंदिरों की ओर ध्यान देने से बेहतर है कि लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाए ... मंदिर बनाने से बेहतर है कि वहां स्कूल या अस्पताल बना दिया जाए!' निस्संदेह सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे सबके लिए रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल आदि भी खुलने चाहिएं, लेकिन श्रीराम जन्मभूमि का उपयोग भगवान के मंदिर के लिए ही किया जाना न्यायसंगत था (जैसा कि उच्चतम न्यायालय से भी निर्णय आया)। प्राण-प्रतिष्ठा के एक महीने बाद अयोध्या की जो तस्वीर उभरकर सामने आई है, वह शोध का विषय हो सकती है। आज देश के अलग-अलग हिस्सों से अयोध्या आने वाली ट्रेनें यात्रियों से पूरी तरह भरी हुई हैं। लोग खूब टिकटें बुक करवा रहे हैं। अयोध्या में खान-पान, मिठाई, कपड़ों, कलाकृतियों, प्रतिमाओं, फोटोग्राफी और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन हो रहा है। पहले जो लोग दिन में बमुश्किल 500 रुपए कमा पाते थे, अब उनकी कमाई तीन-चार गुणा बढ़ गई है। लोग रामभक्तों के ठहरने के लिए अपने घरों में व्यवस्थाएं कर रहे हैं, जिससे बढ़िया आमदनी हो जाती है। ऐसे कई परिवार हैं, जो पहले रोजगार के सिलसिले में अयोध्या में अपना घर छोड़कर दूसरे शहरों में चले गए थे। अब वे वापस लौट रहे हैं। वे भगवान की नगरी में रहते हुए काम करना चाहते हैं।

आज भी अनेक मंदिरों-मठों द्वारा सामाजिक उत्थान के लिए ऐसे सेवाकार्य किए जा रहे हैं। भारत में जिन-जिन स्थानों का संबंध प्रसिद्ध मंदिरों और आध्यात्मिक-ऐतिहासिक महत्त्व की घटनाओं से है, वहां न केवल सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष रूप से विकसित करना चाहिए।

अंग्रेजों ने जो शिक्षा प्रणाली चलाई, उसमें इस बात पर जोर दिया गया कि पश्चिमी विचारकों के एक-एक शब्द को सत्य बताया जाए और सनातन संस्कृति को लेकर हीनभावना पैदा की जाए। वे इस उद्देश्य में काफी हद तक सफल भी हुए, लेकिन अब भ्रम के पर्दे हटते जा रहे हैं। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के बाद जितनी बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं, अगर ऐसा आयोजन अमेरिका, ब्रिटेन या जर्मनी जैसे देशों में करना हो तो आयोजकों को महीनों पहले विज्ञापनों में अरबों डॉलर खर्च करने पड़ते। जबकि भारत में महाकुंभ से लेकर लक्खी मेलों तक में लोग जयकारे लगाते हुए, पदयात्रा करते हुए आ जाते हैं। वे किसी विज्ञापन की प्रतीक्षा नहीं करते। यह है भक्ति की शक्ति, जिसे पश्चिम के लिए अभी समझना संभव नहीं है। भारत में ऐसे कई स्थान हैं, जो अध्यात्म के कारण जाने जाते हैं। उनकी पूरी अर्थव्यवस्था इसी धुरी पर टिकी है। इससे छोटे-बड़े, कई स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन होता है। मंदिरों के बारे में यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है कि ये केवल पूजा-पाठ के स्थान होते हैं। सनातन धर्म मानव जीवन के विभिन्न आयामों को शामिल करता है। प्राचीन काल में हनुमान मंदिर के साथ व्यायामशाला होती थी। सरस्वती मंदिर के एक हिस्से में पुस्तकालय, विद्यालय होते थे। कई मठों-मंदिरों द्वारा नि:शुल्क औषधियां दी जाती थीं। उनके द्वारा विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग, अनाथों के लिए भोजन-वस्त्र और जरूरतमंद लोगों के लिए कई तरह की चीजों का इंतजाम किया जाता था। आज भी अनेक मंदिरों-मठों द्वारा सामाजिक उत्थान के लिए ऐसे सेवाकार्य किए जा रहे हैं। भारत में जिन-जिन स्थानों का संबंध प्रसिद्ध मंदिरों और आध्यात्मिक-ऐतिहासिक महत्त्व की घटनाओं से है, वहां न केवल सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष रूप से विकसित करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

मोदी की गारंटी वहां से शुरू होती है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है। देश के गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे कभी भूखा नहीं सोना पड़ेगा, उसे दर्द नहीं सहना पड़ेगा...क्योंकि मोदी की गारंटी है।

-नरेन्द्र मोदी

डेगाना में विश्वकर्मा जयंती पर शोभा यात्रा के दौरान हृदय विदारक सड़क हादसे में कुछ लोगों की मृत्यु का दु:खद समाचार मिला है। ईश्वर दिवंगतों की आत्मा को शांति एवं परिवारजनों को संबल प्रदान करे। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ कामना करता हूं।

-गोविंद सिंह डोटासरा

सातवीं पातशाही धनधन श्री गुरु हर राय जी के प्रकाश पर्व की समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं। वे अध्यात्म के पथ पर चले परंतु उस कालखंड में आमजन पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष भी किया। सेवा, कल्याण और मानव जीवन की गरिमा की रक्षा के लिए उनके किए कार्य प्रेरणा देते हैं।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

बदलाव की सोच

एक बार एक सफाई कर्मचारी खेल का मैदान साफ कर रहा था। सफाई के बाद उसने देखा कि कुछ देर बाद होने वाले हॉकी टूर्नामेंट का कोच बेहद परेशान है। परेशानी का कारण यह था कि सैकड़ों गमले सजावट के तौर पर गलत लगाये गये थे। इससे खिलाड़ी चोटिल भी हो सकते थे। कोच ने अपने अधिकारियों को बताया तो वे टालने लगे कि इस मैदान के खेल संयोजक को जब फटकार पड़ेगी तब पता लगेगा। अब कुछ नहीं हो सकता। मगर यह बात सुनकर उस सफाई कर्मचारी ने अपने दस साथी बुलाकर चंद मिनट में सब गमले एकदम किनारे लगा दिये। इस तरह खेल स्पर्धा काफी सुगमता से निपट गयी। कोच ने सफाई कर्मचारी का आभार व्यक्त किया तो उसने कहा कि मैं हमेशा एक बात याद रखता हूं कि सभी के दिल के करीब वही पहुंचते हैं जो बदला लेने के लिए नहीं बल्कि अच्छा बदलाव लाने के लिए सोचते हैं।

सामयिक

उथल-पुथल में पाक, भारत रहे चौकस

आर.के. सिन्हा

पाकिस्तान में बीती 8 फरवरी को हुए आम चुनावों के बाद देश में जो एक राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद थी, वह फिलहाल तो पूरी तरह खत्म हो गई हैं। पाकिस्तान, जिसकी नियति ही हो गई है हमेशा संकट में रहना ख अब तो वह अराजकता की चपेट में है और भारी मुश्किल की स्थिति में दिखाई दे रहा है। हालांकि लंबी कवायद के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी) ने देश में मिल कर सरकार बनाने का फैसला कर लिया है। फिलहाल राजनीतिक विश्लेषकों, पत्रकारों और आम जन को कुछ समझ नहीं आ रहा कि देश किस दिशा में जा रहा है। हर कोई अनभिज्ञ सा ही दिख रहा है। चुनाव के नतीजों ने पाकिस्तानी सेना के मोटी तोंद वाले जनरलों को उनकी औकात दिखा दी है। उनके लाख चाहने के बावजूद नवाज शरीफ की मुस्लिम लीग को जनता ने बहुमत नहीं दिया। नवाज शरीफ लंदन से इसी उम्मीद में पाकिस्तान वापस आए थे कि उन्हें फिर से पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने का मौका मिल जाएगा। जाहिर है,पाकिस्तानी अवाम चुनाव नतीजों से हताश और अवाक है। चुनावों के नतीजों में कसकर धांधली हुई है। जनता को अब देश में राजनीतिक स्थिरता की कोई उम्मीद भी नहीं है। अफसोस देखिए कि जिन्हें जनता ने नकारा वे ही सरकार बनाने जा रहे हैं।

दरअसल चुनाव में खंडित जनादेश आने के बाद एक के बाद एक वहां विवादों को ही जन्म मिला, खासकर चुनाव में अनियमितताओं के व्यापक आरोपों के कारण। मतदान में धोखाधड़ी के ख़िलाफ़ देश भर में विरोध प्रदर्शन जारी हैं और बलूचिस्तान का जन जीवन लगभग ठप पड़ा हुआ है। वहां पर चुनाव से पहले धमाकों की झड़ी सी लग गई थी। इसके साथ ही, रावलपिंडी के चुनाव आयुक्त ने चुनावों में धांधली के गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद तो चुनाव की विश्वसनीयता पर और सवाल खड़े हो गए हैं। इमरान खान की पार्टी पीटीआई नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बनी। मतलब यह है कि जिस इमरान खान को एक के बाद एक गंभीर आरोपों के लिए दोषी मानकर जेल की सजा सुनाई जा रही है, लेकिन पाकिस्तान की जनता तो उसके साथ खड़ी है।

पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता के कारण वहां की अर्थव्यवस्था भी धराशायी हो चुकी है, जिससे पाकिस्तान के भविष्य पर दूरगामी परिणाम होंगे। पाकिस्तान की ताजा निराशाजनक स्थिति के बीच एक खबर यह भी आई कि सिर्फ हमारे एक टाटा ग्रुप के सामने भी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बौनी पड़ गई है। टाटा ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन 365 अरब डॉलर पहुंच गया है। यह पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से भी कहीं ज्यादा है। पिछले साल टाटा ग्रुप की कई कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इसी के बाद ही ग्रुप ने यह उपलब्धि हासिल की है। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमानों के अनुसार, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 341 अरब डॉलर का है। टाटा ग्रुप की एक कम्पनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की वैल्यू ही करीब 15 लाख करोड़ रुपये या 170 अरब डॉलर है। यह न केवल भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है, बल्कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लगभग आधे आकार की भी है। अब आप समझ सकते हैं कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति कितनी खराब हो चुकी है। बेशक, कंगाली से गुजर रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रही है। पिछले साल आई बाढ़ ने पाकिस्तान को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचाया है। यह नुकसान भी अरबों डॉलर में है। इससे देश के लाखों लोग दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान 125 अरब डॉलर के विदेशी कर्ज के बोझ से दबा हुआ है।

मतलब यह है कि पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक हालात डरावने बन चुके हैं। पाकिस्तान को लेकर बाक़ी दुनिया की राय भी कोई अच्छी नहीं है। पाकिस्तान में क़ानून और व्यवस्था के मामले में छवि ठीक नहीं है और इसे कारोबार के लिए सही जगह नहीं माना जाता। पाकिस्तान में निवेश के लिए कहीं के निवेशक आगे नहीं आते। निवेशक तो उसी देश में जाते हैं, जहां पर बिजनेस का माहौल सही होता है। कोई निवेशक अपना पैसा बर्बाद करने के लिए तो कहीं नहीं जाता है न ? निवेशक अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न की उम्मीद रखता है। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। उसे पाकिस्तान में किसी तरह के संभावना नजर नहीं आती। जाहिर है, इसलिए पाकिस्तान का विदेशी निवेशक रुख ही नहीं करते। आप समझ लें कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती विदेशी निवेश या विदेशी पर्यटकों के आने से ही होती है। तब ही तो किसी देश का विदेशी मुद्रा का भंडार बढ़ने लगता है। पर पाकिस्तान में तो पर्यटन सेक्टर तक घुटनों पर आ चुका है।

वहां का पर्यटन सेक्टर गर्त में जा चुका है। दुनिया के 140 देशों में पर्यटन को लेकर जारी ट्रेवेल एंड टूरिज्म कंम्पटेटिवनेस इंडेक्स में आज पाकिस्तान 121वें पायदान पर खड़ा है। इस रिपोर्ट के आने के बाद पाकिस्तानी हुक्मरानों की नींद उड़ जानी चाहिए। आतंकवाद की खेती करने वाले पाकिस्तानी हुक्मरानों को समझना होगा कि वे विदेशी पर्यटकों को देश में आने के लिए कैसे आकर्षित करें।

इस बीच,पाकिस्तान के सामने सबसे गंभीर चुनौती इस समय बलूचिस्तान में लगातार पंजाबियों का मारा जाना है। वहां रहने वाले पंजाबियों को चुन-चुनकर मारा जा रहा है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि दोषियों को तुरंत पकड़ लिया जाएगा। परन्तु, यह सब रस्मी बातें हैं। हालांकि हकीकत बड़ी भयावह है। पाकिस्तानी सरकार पंजाबियों के कत्लेआम को दुनिया की निगाह से बचाना चाहती है, पर यह सोशल मीडिया के दौर में संभव हो नहीं पाता। खबरें जैसे- तैसे सारी दुनिया के सामने आ ही जाती हैं। पंजाबियों को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी मार रही है। पंजाबी नौजवानों को अगवा भी किया जा रहा है। फिर उनका पता ही नहीं चल पाता। इस तरह के सैकड़ों केस हैं। पंजाबियों को मारे जाने की कोई वजह तो होगी ही। हालांकि किसी तरह की हिंसा को सही तो नहीं माना जा सकता। पर यह भी सच है कि पाकिस्तान में गैर-पंजाबी नफरत करते हैं पंजाब और पंजाबियों से। सबको लगता है कि पंजाबी उनका शोषण कर रहे हैं, उनके हकों को मार रहा है। यानी पाकिस्तान पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं। चूंकि वह हमारा पड़ोसी है इसलिए भारत को पूरी तरह से चौकस रहना होगा। अपने को तैयार रखना होगा ताकि धूर्त पाकिस्तान के किसी भी नापाक इरादे को विफल किया जा सके। पाकिस्तान के हुक्मरान अपने घरेलू मसलों से जनता का ध्यान हटाने के लिए भारत के खिलाफ कभी भी कोई कार्रवाई कर सकते हैं। यदि यह उनकी मजबूरी है तो यह भारत के लिये चुनौती है जिससे निबटने के लिये हमें सदैव तैयार रहना होगा। (लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

मोदी ने भारत को विश्व गुरु बनाया

आचार्य विष्णु हरि

मोबाइल : 9315206123

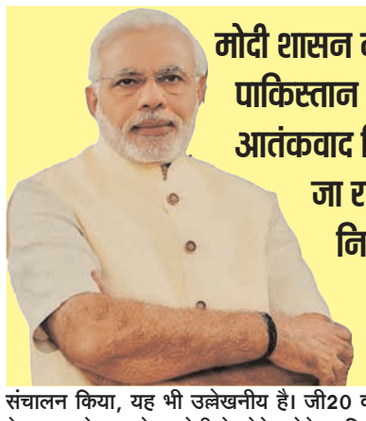

मोदी शासन में चीन और पाकिस्तान की दादागिरी समाप्त हूई है। सीमा पर चीन और पाकिस्तान को करारा और सबककारी जवाब मिला है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद नियंत्रण में है। कश्मीर में राष्टविरोधी समूह को राष्टभक्ति का पाठ पढाया जा रहा है। राफेल ने हमारी सुरक्षा परिधि मजबूत किया है। आज हम हथियारों निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में है। तेजस लडाकू विमान हमारा आज आकर्षण और वीरता का वैशिकव प्रतीक बन गया है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सफलता दुनिया के लिए आईकॉन बन गयी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दस सालों के इस शासन काल को हम दस प्रश्नों के घेरे में देखने और समझने की कोशिश करते हैं। पहला प्रश्न-नरेन्द्र मोदी ने अपने दस साल के शासनकाल में भारत को विश्व गुरु बना दिया क्या, दूसरा प्रश्न-भारत को सोने की चिढियां बना दिया क्या, तीसरा प्रश्न-भारत को वसुधैव कुटुम्बकम के प्रतीक बना दिया क्या, चौथा प्रश्न-भारत की संस्कृति और सभ्यता को दुनिया के लिए आईकॉन बना दिये क्या, पाचवां प्रश्न-भारत को देशज सुरक्षा की कसौटी पर आत्म निर्भर बना दिया क्या, छठा प्रश्न-भारत को भूख, गरीबी और बेकारी से मुक्त बना दिया क्या, सातवां प्रश्न-भारत को आतंकवाद मुक्त बना दिया क्या, भारत को अपने पडोसियों के सामने तन कर रहना सिखा दिया क्या, आठवां प्रश्न-भारत को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया क्या, नौवां प्रश्न- भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बना दिया क्या, दसवां प्रश्न-अपने सभी घोषनाओ व आश्वासनों को पूरा कर दिया क्या? इन दस प्रश्नों के अलावा भी अनेक प्रश्न हो सकते हैं जिन पर नरेन्द्र मोदी के दस साल के शासन काल का मूल्यांकन किया जा सकता है, उपलब्धि और गौरवगाथा की व्याख्या हो सकती है। हमारे देश में नकरात्मक विरोध की हवा खूब बहती है, उपलब्धियों और गौरव के क्षण को कलंकित और प्रदूषित करने का अभियान चलता है। ऐसी स्थिति में नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों और गौरव के निर्मित क्षणों को कम आंकना या यह कहें कि अस्वीकार करना, उस पर अतिरंजित ध्वनि देना कोई अनहोनी अतिश्योक्ति नहीं मानी जायेगी। लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नकारात्मक अभियान, अतिरंजित ध्वनि से सच कभी मरता नहीं, सच निर्जीव नहीं हो जाता है, सच कभी परास्त भी नहीं होता है। इसका प्रमाण देश की जनता दे रही है। देश की जनता लोकसभा और विधान सभा चुनावों में मोदी को जीत पर जीत दे रही है।

भारत विश्व गुरु कैसे बन गया इस पर मेरी अपनी व्याख्या है, मेरे अपने तर्क हैं, मेरे अपने तथ्य हैं, मेरे अपने सिद्धांत हैं। विश्व गुरु का साधारण अर्थ नेतृत्व, ज्ञान और बंधुत्व से चमत्कृत करना, प्रभावित करना और सहायक होना। विश्व गुरु का अर्थ शक्ति की अराजक प्रदर्शन नहीं होता है, किसी के हित का दमन नहीं होता है, किसी देश की संप्रभुत्ता को रौंदना नहीं होता है, किसी देश की आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा नहीं होता है, अपने हितों की कसौटी पर किसी को गुलाम बना देना नहीं होता है, किसी देश को प्रतिबंधों का शिकार बना देना नहीं होता है। जैसा कि अमेरिका सहित यूरोपीय देश और चीन आदि करते हैं। भारत ने समानता आधारित नेतृत्व को विकसित किया है, बढावा दिया है और उन छोटे-छोटे देशों को प्राथमिकता दी है जो विश्व व्यवस्था में बहुत पीछे थे जिनकी बातें अनसुनी होती है, जिनके हित कुचले जाते थे। जी20 के अध्यक्ष के रूप में भारत की कितनी बडी उपलब्धि थी और भारत ने विश्व व्यवस्था को कितना सफल संचालन किया, यह भी उल्लेखनीय है। जी20 का नेतृत्व करते हुए नरेन्द्र मोदी ने छोटे-छोटे अफ्रीकी देशों को सदस्यता प्रदान की, चीन के विरोध के बावजूद अमेरिका और अन्य देशो के राष्टाध्यक्ष भारत आये और नरेन्द्र मोदी का गुनगान किया, क्या यह उपलब्धि और गौरव के क्षण विश्व गुरु की परिधि से बाहर हो सकती है? कदापि नहीं। विश्व मंचों पर नरेन्द्र मोदी से मिलने के लिए अमेरिका के राष्टपति जो बाइडेन का बचैन रहना, यह साबित करता है कि नरेन्द्र मोदी और भारत की छबि एक विश्व गुरु की ही निर्मित हुई है। यूक्रेन युद्ध हो या फिर अन्य विश्व समस्या, सभी पर भारत की सहायता और सहयोग के साथ ही साथ नेतृत्व की जरूरत को समझना भी भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करता है। ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की भूमिका, वैश्विक कंपनियों में भारतीयों की अग्रणी भूमिका, योगा के क्षेत्र में चमत्कार का डंका भारत का बज रहा है। विश्व योग दिवस घोषित कराना किसका पराक्रम है, यह नरेन्द्र मोदी की सोच और नेतृत्व का पराक्रम है।

विश्व बंधुत्व की मोदी की कसौटी भी देख लीजिये। केराना का काल क्या था? दुनिया के लिए हाहाकार और सहार का काल था। कोराना काल में दुनिया के बडे-बडे देश भी धाराशायी हो गये, बचाव के उपकरण और वैक्सिन के लिए जूझते रहे। भारत के सामने चुनौतियां बहुत ही ज्यादा थी। इसलिए कि भारत दुनिया की सबसे बडी आबादी वाला देश है, भारत की आबादी एक अरब 40 करोड है, इतनी बडी आबादी को कोरोना से सुरक्षित रखना कितनी बडी चुनौती थी? नरेन्द्र मोदी ने अपनी पूरी शक्ति झोकी, खजाना लगा दिया। समय से पहले वैक्सिन लायी। कोरोना वैक्सिन की उपलब्धि से दुनिया चमत्कृत हुई। देश की पूरी आबादी को नरेन्द्र मोदी ने निशुल्क वैक्सिन देने का काम किया। याद कीजिये कोरोना काल में वैक्सिन अभियान को। पकड़-पकड कर और घर-घर जाकर वैक्सिन की खुराक लगायी गयी। नरेन्द्र मोदी स्वार्थी नहीं बने। नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के गरीब देशों को निशुल्क कोरोना वैक्सिन दी थी। भारत की निशुल्क वैक्सिन से दुनिया के दर्जनों गरीब देशों ने अपनी आबादी की जान कोरोना से बचायी थी। बात सिर्फ इतनी भर नहीं है। दुनिया का सबसे बडा शक्तिशाली देश अमेरिका को भी नरेन्द्र मोदी ने कोरोना बीमारी को नियंत्रित करने के लिए दवाइयां की आपूर्ति की थी। नरेन्द्र मोदी को मुस्लिम वर्ग अपना विरोधी मानते है, विरोधी राजनीतिक धारा कहती है कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ हिन्दुओं के प्रधानमंत्री हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने फिलस्तिनियों की सहायता करने में कोई कसर नहीं छोडी है। इजरायल हमारा प्रिय दोस्त है, संकट के समय इजरायल ने हमारी मदद की थी। फिर भी नरेन्द्र मोदी ने हमास और इजरायल युद्ध के दौरान फिलस्तिनियों की आर्थिक मदद करने में कोई कसर नहीं छोडी है, दवाइयां और खाद्य सामग्री नरेन्द्र मोदी लगातार भेज रहे हैं। श्रीलंका को भारत ने आर्थिक संकट से निकालने की पूरी कोशिश की है। चीन की बोली बोलने के बाद भी मालदीव की आर्थिक सहायता जारी रखी है, दुनिया के कई अन्य गरीब देशों के लिए मोदी वरदान साबित हुए है। विश्व बंधुत्व का इससे बडा उदाहरण और क्या हो सकता है?

सबसे बडी उपलब्धि आश्वासनो और घोषणाओं पर ईमानदारी दिखाना-नैतिकता दिखाना है। भाजपा की जितनी भी घोषणाएं थी और आशवासानें दिये थे, सभी पर ईमानदारी दिखायी गयी, नैतिकता दिखायी गयी, सच करने की वीरता दिखायी गयी। विरोधी राजनीतिक धाराएं मोदी की घोषनाओं और आश्वासनों को घृणित कह सकती हैं, कहती भी हैं, अतिरंजित आलोचना करती हैं। लेकिन मोदी ने प्राय सभी आश्वासनों को पूरा किया। धारा 370 को समाप्त कर पाकिस्तान और चीन को भारत की शक्ति का पाठ पढाया, भव्य राम मंदिर बना कर दिखाया, तीन तलाक पर विराम लगाया, समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढाया, उत्तराखंड सरकार द्वारा लाया गया समान नागरिक संहिता विधेयक मोदी की अनुमति से लायी गयी है। सुशासन देने के लिए भष्टचार मुक्त भारत बनाने का अभियन जारी है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, रार्बट बढेरा, लालू, हेमंत सोरेन के भ्रष्टाचार की कहानी क्या कहती है? अपने आप को ईमानदार और सबको बईमान कहने वाला अरविन्द केजरीवाल भी शराब बेचते-बेचते भ्रष्टचार में डूब गये, अब ये भी जेल की कोठी में जायेंगे।

भूख, बेकारी और गरीबी पर नरेन्द्र मोदी की महान उपलब्धि है। दुनिया में ऐसा और उदाहरण कहीं भी नही है। देश की 80 करोड़ की आबादी को निशुल्क अन्न की आपूर्ति हो रही है, गैस के लिए पैसे मिल रहे हैं, गर्म और अन्य कपडे मिल रहे हैं। इससे भूख की बीमारी से उत्पन्न मृत्यु में कमी आयी है। पहले शौचालय, फिर पीने का स्वच्छ पानी, आवास और अन्य सुविधाएं मिल रही है। किसानों को प्रतिसाल छह हजार रूपये खाते में जा रहे हैं। इसके अलावा मनरेगा के अंदर विकास कार्य तेजी से जारी है। ग्रामीण सडकों के निर्माण और हाइवे के निर्माण से ग्रामीन रोजगार समृद्ध हुए हैं। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी होती थी पर आज सडकों का जाल बिछ चुका है, छोटे-छोटे बाजार गुलजार हैं, घरों-घरों में मोटर साइकलों और कारों की मौजूदगी विकास की कहानी कह रही हैं।

ढांगी और परहित समर्थक अर्थशास्त्रियों की झूठ और प्रोपगंडा बेपर्द हुआ, बेनकाब हुआ। भारत की अर्थव्यवस्था विध्वंस नहीं हुई, जनविरोधी साबित नहीं हुई। रघुराम राजन, अमर्त्य सेन जैसे अर्थशास्त्रि ने कैसी झूठ फैला रखी थी, यह भी स्पष्ट है। भारत की अर्थव्यवस्था का विकास दर आठ प्रतिशत के पास पहुंच गया। चीन की अर्थव्यवस्था भी चरमरा गयी है। चीन में मीडिया की स्वतंत्रता नहीं हैं। इसलिए चीनी अर्थव्यवस्था का संहार पक्ष सामने आता नहीं पर विश्व बाजार को चीनी अर्थव्यवस्था की कमजोरी मालूम है। चीन से निवेशक लगातार भाग रहे हैं। भारत की ओर निवेशक लगातार आकर्षित हो रहे हैं, चीन की फैक्टरियां भारत में टान्सफर होकर आ रही है। कई मोबाइल कंपनियां भारत में अपनी इकाईं स्थापित कर चुकी हैं।

मोदी शासन में चीन और पाकिस्तान की दादागिरी समाप्त हूई है। सीमा पर चीन और पाकिस्तान को करारा और सबककारी जवाब मिला है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद नियंत्रण में है। कश्मीर में राष्टविरोधी समूह को राष्टभक्ति का पाठ पढाया जा रहा है। राफेल ने हमारी सुरक्षा परिधि मजबूत किया है। आज हम हथियारों निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में है। तेजस लडाकू विमान हमारा आज आकर्षण और वीरता का वैश्किव प्रतीक बन गया है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सफलता दुनिया के लिए आईकॉन बन गयी है।

झूठ के पैर नहीं होते। विपक्ष की झूठ से जनता प्रभावित नहीं है। मोदी के सुशासन और वीरता का ही प्रतिफल है कि जनता नरेन्द्र मोदी को बार-बार जीत से सम्मानित कर रही है। आज विपक्ष धाराशायी है, नरेन्द्र मोदी को हराने के लिए विपक्ष के पास मुद्दे तक नहीं है। विपक्ष का अडानी-अंबानी शोर भी जनता को प्रभावित नहीं कर रहा है, जनता नरेन्द्र मोदी को नैतिक और ईमानदारी पर चलने वाला शासक-चौकीदार मानती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी नरेन्द्र मोदी का डंका बजेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उत्सव

नई दिल्ली में गुरुवार को शांति पथ पर खिले हुए ट्यूलिप उत्सव को देखने आए पर्यटक।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग की समिति ने चुनाव धांधली के संबंध में जांच पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग की एक उच्चस्तरीय समिति ने रावलपिंडी शहर में चुनावों में धांधली होने के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के आरोपों के संबंध में जांच पूरी कर ली है, जिसके बाद समिति आयोग को रिपोर्ट सौंपेगी। बृहस्पतिवार को मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई है। आयोग ने रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त लियाकत अली चट्ठा ने आरोप लगाया था कि न्यायपालिका और आयोग की सहायता से, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के खिलाफ रावलपिंडी में व्यापक धांधली हुई। चट्ठा ने शनिवार को आरोप लगाया था कि जो उम्मीदवार आठ फरवरी को हुए चुनाव में हार रहे थे, उन्हें जिताया गया।

चट्ठा ने अपने पद से इस्तीफा देने से पहले दावा किया कि रावलपिंडी के 13 उम्मीदवारों को जबरदस्ती विजेता घोषित किया गया। 'डॉन' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, आरोपों की जांच के लिए गठित आयोग की जांच समिति ने तीन दिन की निर्धारित अवधि में अपना काम पूरा कर लिया है और वह आज आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है, समिति ने रावलपिंडी डिवीजन के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीआरओ) और निर्वाचन अधिकारी (आरओ) के बयान दर्ज किए हैं। अधिकारी ने कहा कि डीआरओ और आरओ ने पूर्व आयुक्त के धांधली और परिणामों में हेरफेर के आरोपों से इनकार किया है।

पहल

कोलकाता नगर निगम ने महिलाओं की सुविधा के लिए घनी आबादी वाले इलाकों में भुगतान और उपयोग के आधार पर 'टॉयलेट ऑन व्हील्स' महिला मोबाइल टॉयलेट और बेबी फीडिंग यूनिट शुरू की है। यह वाहन सौर पैनल से भी सुसज्जित है। इस वाहन में महिलाएं बच्चों को स्तनपान करा सकती है वहीं महिलाओं के लिए सेफ्टी नेपकिन भी उपलब्ध होगा। कोलकाता नगर निगम की इस सुन्दर पहल का सभी ने स्वागत किया है।

अयोध्या में कारोबार में प्रगति : अयोध्या वासी बोले- बेहतर जीवन जीने में मदद कर रहे भगवान राम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। अयोध्या में दिहाड़ी मजदूर दीपक पांडेय कुछ साल पहले नौकरी की तलाश में दूसरे शहर जाने की योजना बना रहे थे मगर अब वह 'राम नगरी' में ही जमीन खरीदकर नया घर बनाने की सोच रहे हैं। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी उनकी सोच में आये इस बदलाव का मुख्य कारण है।

पांडेय अपनी आर्थिक स्थिति में हुए सुधार के लिए भगवान राम की कृपा को मुख्य आधार मानते हैं। पांडेय राम पथ तक जाने वाली एक गली में तीन कमरों के घर में रहते हैं। यह रास्ता मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुख्य मार्ग है और अब पांडेय अपने घर का एक कमरा किराये पर देते हैं।

पांडेय ने कहा, मैं एक कमरे को तीन हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से किराए पर देता था। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद से मैं इसे तीन हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से किराए पर दे रहा हूं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद गुजरे एक महीने में हमने लगभग हर दिन किसी न किसी नये व्यक्ति को किराये पर कमरा दिया है। हम चाहते हैं कि भगवान राम की कृपा ऐसे ही बनी रहे।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, गत 22 जनवरी को संपन्न अभिषेक समारोह के बाद से रोजाना औसतन लगभग एक लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिये इस पवित्र शहर में आ रहे हैं।

पांडेय की तरह उनकी गली के लगभग हर घर के मालिकों ने पर्यटकों को 'होमस्टे' सुविधा देने के लिए अपने घर में कम से कम एक कमरे का नये सिरे से रंग-रोगन करवाकर उसे सभी सुविधाओं से लैस किया है। प्रमेश पांडेय एक गली के प्रवेश द्वार पर खड़े होकर भक्तों से पूछते हैं कि क्या उन्हें रहने के लिए कमरे की जरूरत है। उन्होंने कहा, मेरे पास तीन-चार अलग-अलग इमारतों में छह कमरे हैं। मैं आगंतुकों की संख्या के आधार पर रोजना 1,400 रुपये से लेकर तीन हजार रुपये तक में एक कमरा उपलब्ध कराता हूं।

प्रमेश की गली के ज्यादातर निवासी छोटे-मोटे काम करते हैं या मंदिर में चढ़ाये जाने के लिए चढ़ावे का सामान बेचते हैं। राम पथ से जुड़ी एक अन्य गली में रहने वाली जसवंती शर्मा भगवान राम की तस्वीरें और अन्य स्मृति चिह्न बेचती हैं। उन्होंने कहा, भगवान राम हम पर अपनी कृपा बरसा रहे हैं। भगवान यहां भक्तों के रूप में आते हैं और हमें बेहतर जीवन जीने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा, नये मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद से शहर में आने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ गई है। इससे मेरे व्यवसाय को मदद मिली है।

कई दुकान मालिक मौजूदा ढांचे के ऊपर एक नई मंजिल जोड़कर अपनी दुकानों का विस्तार कर रहे हैं। दोसे का खोमचा चलाने वाले प्रभात गुप्ता लोगों को गर्म दोसे की प्लेटें बांटने में व्यस्त हैं। वह जब भी किसी ग्राहक को थाली देते हैं तो 'जय श्री राम' कहते हैं। गुप्ता कहते हैं, एक और मंजिल का निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो चुका है। अगर भगवान राम की इच्छा हुई तो निर्माण पूरा होने के बाद हम और अधिक ग्राहकों की मेजबानी कर सकेंगे। राम पथ पर भोजनालयों और पूजा सामग्री बेचने वाली दुकानों के अलावा, पर्यटन एजेंसियों के कार्यालय और कपड़े, मोबाइल फोन, सहायक उपकरण और उपहार वगैरह बेचने वाली दुकानें भी खुल रही हैं। स्थानीय टूर एजेंसियों का कारोबार भी बढ़ा है।

भारत ने जी20 एफएमएम बैठक में कहा : भूराजनीतिक मुद्दों का रचनात्मक समाधान तलाशें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियो द जिनेरियो। पूरी दुनिया में विभिन्न संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत ने ब्राजील की मेजबानी में आयोजित जी20 मंत्री स्तरीय बैठक में भू राजनीतिक समस्याओं के रचनात्मक समाधान निकालने और समान आधार तलाशने पर जोर दिया है। ब्राजील ने एक दिसंबर 2023 को भारत से जी20 की अध्यक्षता प्राप्त की थी। ब्राजील की अध्यक्षता में बुधवार को जी20 विदेश मंत्रियों (एफएमएम) की बैठक यहां आयोजित की गई जो लातिन अमेरिकी देश की अध्यक्षता में संगठन की पहली मंत्री स्तरीय बैठक है।

विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने चल रहे अंतरराष्ट्रीय तनाव से निपटने में जी20 की भूमिका शीर्षक से आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए विभिन्न बिंदुओं का उल्लेख किया और उनपर भारत के रुख की वकालत की। एफएमएम में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मुरलीधरन ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत ने समाधान के लिएसंवाद और कूटनीतिक प्रयासों को तत्काल शुरू करने का आह्वान किया जबकि इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के मामले में भारत दो राष्ट्र के समाधान पर विश्वास करता है। उन्होंने जोर दिया कि भारत आतंकवाद के किसी भी स्वरूप की निंदा करता है। उन्होंने कहा, हमें पश्चिम एशिया के संघर्ष का विस्तार नहीं होने देना चाहिए।

लाल सागर में समुद्री जहाजों पर हमलों का जिक्र करते हुए विदेश राज्यमंत्री ने तट से दूर समुद्रों में अत्यधिक सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया और यह भी कहा कि समुद्री के रास्ते गए संचार केबल की सुरक्षा 'महत्वपूर्ण है।' मुरलीधरन ने भूराजनीतिक मुद्दों को रचनात्मक समाधान तलाशने के लिए समान आधार बनाने पर जोर दिया।

भाजपा को कमलनाथ की जरूरत नहीं हैं : विजयवर्गीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर। मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अगले राजनीतिक कदम को लेकर बरकरार संशय के बीच कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता की जरूरत नहीं है और उनके लिए पार्टी के दरवाजे बंद हैं। भाजपा के पूर्व महासचिव विजयवर्गीय कमलनाथ के उनकी पार्टी में शामिल होने की अटकलों को लेकर पूछे गये सवालों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, मैंने कहा था कि हमारी पार्टी में कमलनाथ की कोई जरूरत नहीं है और यही वजह है कि उनके लिए दरवाजे बंद हैं।

पिछले सप्ताह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुल नाथ के नयी दिल्ली पहुंचने के बाद से ही अटकलें तेज हैं। हालांकि, कमलनाथ के विश्वासपात्र सज्जन सिंह वर्मा ने उनके भाजपा में शामिल होने की खबरों का खंडन किया है।

कमलनाथ के अगले राजनीतिक कदम पर संशय के बीच, उनके गढ़ मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से पार्टी के कई स्थानीय नेता बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के संबंध में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की टिप्पणियों को लेकर पूछे गये सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उनके जैसे अन्य लोग हताश हैं।

विजयवर्गीय ने कहा कि वे जानते हैं कि उनका अब कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है क्योंकि उनकी (दिग्विजय सिंह) पार्टी के नेता अनुपयोगी हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा, इसलिए हताशा में वे कुछ भी कह देते हैं।

अहमदाबाद में गुरुवार को अहमदाबाद में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलक। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित थे।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर लागत निकालने में असफल हुई 'फाइटर'

मुंबई/एजेन्सी

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की देशभक्ति से सराबोर फिल्म 'फाइटर' पिछले महीने 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद की 'फाइटर' को दर्शकों और क्रिटिक्स के मिले जुले रिव्यू मिले थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखाया है, लेकिन धीरे-धीरे करके 200 करोड़ तक पहुंच गई है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' को 26 जनवरी के ठीक एक दिन पहले सिनेमाघर में रिलीज किया गया था। ऐसे में फिल्म को इसका पूरा फायदा भी मिला। फिल्म ने ओपनिंग डे पर जहां 22.5 करोड़ की कमाई के साथ खाता खोला था। वहीं, ठीक एक दिन बाद 39.5 करोड़ का

कलेक्शन किया। लेकिन महज चार दिनों में इसकी कमाई घटना शुरू हो गई थी, जिसे देखकर ऐसा लग रहा था कि इसके लिए फिल्म का बजट निकाल पाना भी मुश्किल होगा। ऐसे में अब चौथे हफ्ते में ही 'फाइटर' का हाल बुरा होता नजर आ रहा है। जिस धीमी गति में यह फिल्म कमाई कर रही है उसे देखते हुए यह महसूस हो रहा है कि ऋतिक रोशन दीपिका पादुकोण की यह फिल्म अपनी लागत के 250 करोड़ के आंकड़े तक मुश्किल ही पहुँच पाए। शुक्रवार 23 फरवरी से उसके सामने दो और फिल्मों का प्रदर्शन होने जा रहा है।

फिल्म 'नमस्ते सासू जी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मैड्ज मूवी प्रस्तुत ,वर्ल्डवाइड प्रोडक्शन की आने वाली भोजपुरी फिल्म नमस्ते सासू जी का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। नमस्ते सासू जी में यामिनी सिंह मुख्य भूमिका में है, और उनके साथ गौरव झा और देव सिंह भी नजर आने वाले हैं। नमस्ते सासू जी का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला पर रिलीज किया गया है।

नमस्ते सासू जी के निर्माता प्रदीप सिंह, समीर आफताब, विनय सिंह, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह हैं और निर्देशक काली प्रसाद सिंह हैं, जिन्होंने बताया कि फिल्म की झलक आप ट्रेलर में बखूबी देख सकते हैं. फिल्म में एक सास और बहु के रिश्ते को लेखिका सभा वर्मा ने एक अलग परिदृश्य में दिखाया है, जिसे हमने फिल्म का आकार दिया। यह अब आपके सामने है। जल्द ही हम फिल्म को रिलीज भी करेंगे। मुझे लगता है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस के साथ टेलीविजन पर भी खूब धमाल मचाएगी।इस फिल्म का कथानक बेजोड़ है। संवाद और संगीत कर्ण प्रिय हैं।फिल्म सामाजिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है, इसलिए हमारा आग्रह होगा कि जब भी यह फिल्म रिलीज हो तब आप सभी अपने परिवार दोस्तों के साथ जाकर इस फिल्म को जरुर देखें।

गौरतलब है कि फिल्म नमस्ते सासू जी के निर्माता प्रदीप सिंह, समीर आफताब, विनय सिंह, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह हैं। फिल्म के निर्देशक काली प्रसाद हैं, जबकि कहानी सभा वर्मा ने लिखी है। फिल्म के संगीतकार ओम झा हैं। गीतकार प्यारे लाल यादव, डॉक्टर कर्मेंद्र कुमार सिंह, धर्म हिंदुस्तानी और संतोष कुमार उत्पाती हैं। छायांकन मनोज सिंह का है और कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। एक्शन श्रवण कुमार का है। इस गाने के म्यूजिक राइट्स एंटर10 रंगीला के पास है। फिल्म में गौरव झा,देव सिंह,यामिनी सिंह,डिम्पल सिंह,अनिता रावत,वीणा पाण्डेय,अनूप अरोड़ा,बालेश्वर और अवधेश मिश्रा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

विद्या बालन ने धोखाधड़ी करने की शिकायत दर्ज कराई

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने उनके फर्जी इंस्टाग्राम खाते और ई-मेल आईडी का इस्तेमाल करके फिल्म जगत की हस्तियों के साथ धोखाधड़ी किये जाने की शिकायत मुंबई पुलिस से की है। इसके बाद पुलिस ने एक मामला दर्ज कर लिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। खार पुलिस थाने में सोमवार को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, संबंधित अपराध की जानकारी 16 जनवरी को तब हुई जब फिल्मों से जुड़े एक स्टाइलिस्ट को अज्ञात नंबर से व्हाटसऐप पर संदेश मिला। संदेश में दावा किया गया था कि इसे विद्या बालन ने भेजा है और वह उनसे (स्टाइलिस्ट) काम के बारे में चर्चा करना चाहती हैं।

अधिकारी ने बताया कि स्टाइलिस्ट के पास अभिनेत्री का नंबर पहले से था, इसलिए किसी अज्ञात नंबर से इस तरह के संदेश के बाद उसे संदेह हुआ और उसने विद्या बालन को इस संदेश के बारे में बताया। अभिनेत्री ने स्टाइलिस्ट से कहा कि उसने उन्हें कोई संदेश नहीं भेजा है और यह नंबर उनका नहीं है। अभिनेत्री को 17 और 19 जनवरी के बीच पता चला कि किसी ने एक फर्जी इंस्टाग्राम प्रोफाइल और एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई है जिसमें दावा किया गया है कि यह खाता और आईडी उनकी (विद्या बालान की) है। अज्ञात व्यक्ति इसका इस्तेमाल फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों और अन्य लोगों से काम पर चर्चा करने के लिए कर रहा है। अभिनेत्री ने उनके नाम का इस्तेमाल करके दूसरों को धोखा देने के प्रयास से चिंतित होकर अपने प्रबंधक को खार पुलिस स्टेशन से संपर्क करने के लिए कहा। प्राथमिकी के अनुसार, 20 जनवरी को एक लिखित शिकायत दर्ज की गई थी। अधिकारी ने कहा कि सोमवार (19 फरवरी) को अभिनेत्री ने भी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आईटी अधिनियम की धारा 66 (सी) के तहत अभिनेत्री की पहचान का दुरुपयोग करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच जारी है।

फ़िल्म 'सबपे भारी जनेऊ धारी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने निर्माता-निर्देशक अजय सिन्हा की भोजपुरी फिल्म 'सबपे भारी जनेऊ धारी' रिलीज हो गयी है। अजय सिन्हा ने कहा कि हमने एक शानदार फिल्म बनाई थी, जो दर्शकों को पसंद आ रही है। हालांकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म से कई सीन कटवाए, बावजूद रिलीज के बाद इसका कोई असर फिल्म पर नहीं दिख रहा है। लोग फिल्म को पसंद कर रहे हैं।

यह हमारे लिए शानदार खबर है और हम दर्शकों को धन्यवाद देते हैं कि आपको हमारी फिल्म पसंद आ रही है। मैं दर्शकों से ये ही आग्रह करूंगा कि जिन्होंने फिल्म देख ली है, वो आगे भी अपने दोस्तों और परिजनों को फिल्म देखने के लिए प्रेरित करें। इस फिल्म में कहानी और संवाद के साथ गीत संगीत भी आपके मन को मंत्र मुग्ध करने वाले हैं और साथ ही एक सार्थक संदेश भी है, जो युवा पीढ़ियों के लिए आवश्यक है।

साई एंटरटेनमेंट बैनर तले निर्मित निर्माता- निर्देशक अजय सिन्हा की फ़िल्म 'सबपे भारी जनेऊ धारी' में मुख्य भूमिका में अजय सिन्हा, सूरज के शाह, शालू

सिंह, प्रशांत राज (जूनियन टाइगर श्रॉफ), अनामिका तिवारी,संतोष श्रीवास्तव, अनुराधा यादव, प्रमोद सिंह टाइगर, संतोष वर्मा, प्रमोद औसाहरी, नैनु शुक्ला, सत्य प्रकाश सिंह, ललई सिंह, अरुण सिंह, सोनू हैं। फिल्म के संगीतकार साजन मिश्रा और गीतकार धरम हिंदुस्तानी, अजय सिन्हा हैं। पटकथा एवं संवाद लीला सिन्हा, अजय सिन्हा ने लिखा है। छायांकन मनीष के. व्यास, संकलन ब्रिजेश मालवीय, योगेश पांडेय, मारधाड़ श्रवण कुमार, नृत्य अर्जुन चौधरी कॉस्ट्यूम संतोष वर्मा, डीआई हेमन्त थापा, पार्श्व संगीत राजा राम यादव, स्थिर चित्रण आर.जी. राव का है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय जांगिड़ समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में टेंक बंड रोड पर निर्मित विश्वकर्मा मंदिर में धूमधाम से भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती मनाई गई।

जेवाईएस सदस्यों ने किए आचार्यश्री के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष जैन महेंद्र बागरेचा के नेतृत्व में विजयनगर पाइप लाईन जैन मन्दिर में विरजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी के दर्शन किए तथा उनसे भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने के लिए निवेदन किया। सहमंत्री विशाल गुगलिया ने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष महावीर मुणोत, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा, साधु साध्वी समिति चेयरमैन राकेश बोहरा, मनीष चावत,सुनील लोढ़ा, विकास धोखा, कमलेश कोटरिया आदि उपस्थित थे।

केम्पेगौड़ा हवाईअड्डे को हरित ऊर्जा की आपूर्ति करेगी क्लीन मैक्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस ने बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के साथ दीर्घकालीन बिजली खरीद समझौता किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि निजी उपयोग वाली परियोजना कर्नाटक के जगलुरु में लगायी जाएगी। इसका स्वामित्व और संचालन क्लीनमैक्स के पास होगा। इसमें 36 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा और 9.9 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाएं लगायी जाएंगी।

क्लीनमैक्स और बीआईएएल ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु में ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गठजोड़ किया है। बयान के अनुसार, क्लीनमैक्स और बीआईएएल ने विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) के तहत 45.9 मेगावाट क्षमता की सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से हरित ऊर्जा उत्पादन और आपूर्ति के लिए 25 साल के दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस के संस्थापक और प्रबंध निदेशक कुलदीप जैन ने बयान में कहा, ''हमारा निरंतर प्रयास पर्यावरण अनुकूल भविष्य को आकार देना है और बीआईएएल के साथ हमारा सहयोग उसी को दर्शाता है...।'' कंपनी ने कहा कि इस परियोजना से मौजूदा ग्रिड के जरिये लगभग 5.83 करोड़ यूनिट सौर ऊर्जा और 3.1 करोड़ यूनिट पवन ऊर्जा की सालाना आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

विश्वकर्मा मंदिर में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती

जांगिड़ समाज ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जांगिड़ समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में टेंक बंड रोड पर निर्मित विश्वकर्मा मंदिर में धूमधाम से भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। गुरुवार को सुबह 6.15 बजे गुगरिया परिवार की ओर से मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया तथा उसके बाद मंदिर में जनेऊ, पोषाक, तिलक, माला, आरती, गुलाल आदि के अनुष्ठान हुए। बैठक में पूर्व कमेटी का 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर निवर्तमान अध्यक्ष पोलाराम बुढल का सम्मान किया गया तथा उन्होंने समाज को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी समिति को भी शुभकामनाएं दी।

नवगठित कार्यकारिणी समिति में गिरधारीलाल बारू अध्यक्ष, किरताराम छड़िया सचिव, कैलाश भद्रेचा कोषाध्यक्ष, चंदन लूँजा व्यस्थापक, किशोरकुमार गुगरिया नवयुवक मंडल अध्यक्ष, अशुराम सहसचिव, ईश्वरलाल सहकोषाध्यक्ष, रमेशकुमार सहव्यवस्थापक व रामदेव धामू मीडिया प्रभारी नियुक्त किये गए।

बढ़ता बल

गुरुवार को बेंगलूरु में कांग्रेस पार्टी के भारत जोड़ो भवन में भाजपा से कांग्रेस में आए पूर्व सांसद मुद्दनुमेगौड़ा को कांग्रेस ध्वज देकर पार्टी में शामिल करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर मंत्री डॉ जी परमेश्वर, केएन राजन्ना, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष सलीम अहमद, बीएन चंद्रप्पा, पूर्व मंत्री वेंकटरमणप्पा और अन्य उपस्थित थे।

तेरापंथ भवन यशवंतपुर में आयोजित हुआ विशेष जप अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा, युवक परिषद व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 'वीतरागत पथ कार्यशाला'के आखिरी दिन गुरुवार को तेरापंथ भवन में साध्वीनी लावण्यश्री के सान्निध्य में 'विशेष जप अनुष्ठान' कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी एवं सिद्धांतश्रीजी ने जप के बारे में जानकारी देकर अनेक मंत्रों के जप का अभ्यास करवाया। साध्वीश्री लावण्यश्रीजी ने कहा कि हम सभी के जीवन में बहुत सारी समस्याएं है। समस्याओं का समाधान आध्यात्मिक जप अनुष्ठान से मिलता है, पर उस पर श्रद्धा और विश्वास रहना चाहिए। भगवान महावीर के कर्मवाद के सिद्धांतों को मानकर चलने की प्रेरणा दी और कहा कि साधना में सफल होने के किए समता बहुत ज़रूरी है। महासभा के दक्षिण कर्नाटक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा साध्वीश्री के दर्शनार्थ पहुंची। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, उपाध्यक्ष संपतराज डूंगरवाल, मंत्री महावीर ओस्तवाल, अभतेयुप संभाग अध्यक्ष विनोद मुथा, तेयुप अध्यक्ष जिगर मारू, मंत्री महावीर गन्ना, महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी दक, मंत्री लाडली मुथा आदि उपस्थित थे।

मुलाकात दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटका इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, महावीरचन्द मेहता, सचिव रविन्द्र बम्बोली, मूलसिंह राजपुरोहित आदि ने गुरुवार को विधानसौधा में कर्नाटक के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल से मुलाकात कर एमएसएमई के नए कानून के बारे में चर्चा की। अध्यक्ष दिलीप जैन ने एमएसएमई की धारा 43बी (एच) का कपड़ा एवं रेडीमेड गारमेंट व्यवसाय पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस एक्ट को निरस्त किया जाना चाहिए या कम से कम अगले साल तक स्थागित करना चाहिए अथवा उधार की समय अवधि को 90-120 दिन करनी चाहिए। जिस पर कपड़ा मंत्री पाटिल ने इस पर गौर कर कपड़ा व रेडीमेड व्यवसाय के उत्थान के लिए प्रयत्न करने का आश्वासन दिया।

मुलाकात

नई दिल्ली में गुरुवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल (एस) के प्रमुख एचडी कुमारस्वामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। उनके साथ जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष एवं उनके पुत्र निखिल कुमारस्वामी मौजूद थे।

सम्मान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चन्नपटना तालुक शाखा कर्नाटक राज्य सरकार कर्मचारी संघ ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए तालुक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन रामनगर स्कारी स्कूल में किया जिसका उदघाटन बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश ने किया। टूर्नामेंट में विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित बेंगलूरु मारुति मेडिकल के महेंद्र मुणोत, तालुक अध्यक्ष एचएस चन्द्रशेखर एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी बीएन मरिगौड़ा आदि ने विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं मेडल वितरित किए।

व्यापारियों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन, बेंगलूर होलसेल कपड़ा व्यापारी एसोसिएशन एवं कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने एमएसएमई कानून के 43बी(क) प्रावधान के संबंध में बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने सांसद को बताया इस प्रावधान के चक्कर में व्यापारियों को बहुत परेशानी आ रही है इसलिए वित्त मंत्री को इस ओर एक बार फिर से समीक्षा करनी चाहिए। सांसद तेजस्वी सूर्या से व्यापारियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार एवं वित मंत्री से बात करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, कीया के अध्यक्ष दिलीपकुमार जैन,सहसचिव जिनेन्द्र कुमार, होलसेल कपड़ा व्यापारी एसोसिएशन के सचिव योगेश सेठ एवं महावीर जैन उपस्थित रहे।

सुपर किंग्स टीम बनी मरुधर प्रीमियर लीग विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के मरुधर प्रीमियर लीग(प्रथम)तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया। अंतिम रोमांचक फाइनल मुकाबले में सीरवी सुपर किंग्स टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर के सेवन स्टार्स टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। मैन ऑफ दि सीरीज आकाश चोपड़ा, बेस्ट बैटसमैन हर्ष जैन, बेस्ट बॉलर रामपाल साऊ और बेस्ट फिल्डर नरेश चौधरी रहे।

इस मौके पर अनेक प्रायोजक, रामदेव मरुधर सेवा संघ के पदाधिकारी सहित अध्यक्ष उदाराम प्रजापत, पूर्व अध्यक्ष कालूसिंह चौहान, सचिव मालाराम देवासी, किशोर पटेल सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता आयोजन कमेटी में नारायणसिंह भाटी, अमृत चौधरी, प्रवीण सिंह राजपुरोहित, दिनेश चौधरी, शैतानसिंह राजपुरोहित, महेंद्रसिंह भायल, गमनाराम चौधरी, अरविंदसिह भायल के साथ अनेक युवा उपस्थित रहे।

'लैंटाना हस्तशिल्प के प्रोत्साहन के लिए 1 करोड़ रुपये'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जंगल में शाकाहारी जीवों के लिए घातक लैंटाना घास से हाथी, भैंस, फर्नीचर और सजावटी सामान बनाने वाले आदिवासी समुदाय को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के लिए 1 करोड़ रुपये रखे गए हैं। वन, जीव विज्ञान और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने कहा कि वे सहायता की समीक्षा करेंगे।

बेंगलूरु के लाल बाग में लैंटाना की छड़ियों से बनी बाइसन और हाथी की आकृतियों का अनावरण करते हुए उन्होंने कहा कि कांटेदार लैंटाना राज्य के बांदीपुर, नागरहोल, बिलिगिरि रंगना पहाड़ी जैसे वन क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैला हुआ है, जिससे शाकाहारी जानवर जैसे हाथी, हिरण आदि पाए जाते हैं। उन्हें घास नहीं मिलती। इसलिए इस खरपतवार को हटाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर हम आदिवासियों की मदद से इस खरपतवार को हटा दें और इससे सजावटी सामान बनाएं तो इससे आजीविका भी मिलेगी और जंगल में खरपतवार की समस्या भी हल हो जाएगी।

लैंटाना से बने फर्नीचर, सजावटी सामान और वन्य जीवों की मूर्तियों के व्यापक प्रचार-प्रसार की संभावनाओं पर रिपोर्ट देने का निर्देश मौके पर मौजूद वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी कुमार पुष्कर को दिया। उन्होंने कहा कि लैंटाना न केवल देश भर में बल्कि विदेशों में भी मांग पैदा करना और ऑनलाइन बिक्री के लिए एक मंच बनाने के लिए कदम उठाना चाहिए

लैंटाना एक खरपतवार है जो विदेश से हमारे देश में आई है। यह रक्तबीज की तरह जंगल को ढक रहा है और इसे वैज्ञानिक तरीके से खत्म करने की जरूरत है। यदि कलाकृति बनाने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जाए तो लैंटाना की बड़े पैमाने पर सफाई से हजारों आदिवासियों और जनजातियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि लैंटाना समस्या का भी समाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस धरती पर जन्म लेने वाले हर प्राणी को इंसान के समान ही जीने का अधिकार है। हमारे पूर्वज जंगल के प्रति संवेदनशील और जागरूक थे। वे जंगली जानवरों के साथ सह-अस्तित्व के प्रति जागरूक थे। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

मन का जब उत्सव होता है

जिसका कोई मोल नहीं, मिथ्या उसकी ख़ातिर रोता है,
दिल बेकाबू हो जाता है, मन का जब उत्सव होता है।

लेकर साथ नहीं आया कुछ, लेकर साथ नहीं जाएगा,
जान रहा फिर भी जीवनभर, अपना आपा खोता है।

मन को कोई भाँप न पाया, कब कैसा निर्णय लेगा,
जिस पथ पर जाना है उसको, उस पर भी काँटे बोता है।

अपना छोड़ सभी के कर्मों का, रखता है लेखा-जोखा,
और स्वयं के अपराधों को, गंगा में जाकर धोता है।

जितने गुर्गे पाल रखे हैं, कोई काम न आएगा,
हर संसारी अपने कर्मों के, फल को खुद ही ढोता है।

जीने तक के सहगामी हैं, धन-दौलत ये रिश्ते-नाते,
महलों वाला भी जलने से, पहले माटी पर सोता है।

जैसी करनी वैसी भरनी, रीत सदा ये चलती आई,
कब किसको जाना है पहले से ही निर्धारित न्योता है।

जिसके भीतर देखा करते हैं, हम कुनबे का हित 'नवरंग'
वो भी जुल्मी का पिछलग्गू , उसका ही पाला तोता है।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com